आश्विन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - एकादशी, संवत 2082 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, 17 सितम्बर - 23 सितम्बर, 2025 बुधवार वर्ष-11, अंक-29, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

कलश स्थापना का मुहूर्त : 22 सितंबर को प्रतिपदा के दिन कलश स्थापना होगी। पूरे दिन शुभ मुहूर्त उपलब्ध रहेगा, अभिजीत मुहूर्त (सुबह 11:20 से दोपहर 12:09 तक)

शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएँ

jagrukjanta.net

नेपाल बनेगा हिन्दू राष्ट्र या फिर सिक्किम की तरह होगा भारत में विलय!

सटीक

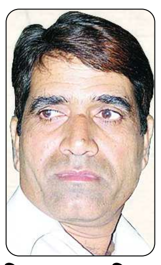

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पिछले कुछ वर्षों से विश्व के अनेक देशों में अजीब सी राजनीतिक उथल-पुथल देखने में आ रही है। पिछले कुछ वर्ष पहले श्रीलंका में जनता ने सरकार का तख्ता पलट दिया। सरकार के नेताओं को देश छोड़कर भागना पड़ा। इस घटना के कुछ समय बाद बांग्लादेश में भी ऐसा ही कुछ घटित हुआ। अब पिछले सप्ताह नेपाल में भी ऐसा ही हुआ। जनता के आक्रोश की भेंट चढ़ गई नेपाल की माओवादी सरकार। अगर पिछले सप्ताह का घटनाक्रम देखें तो तीन दिन में दुनिया के तीन प्रधानमंत्रियों का इस्तीफा हो गया। सबसे पहले जापान के प्रधानमंत्री का इस्तीफा हुआ और फिर नेपाल के प्रधानमंत्री इस्तीफा देकर भाग गए। उसके बाद फ्रांस के प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि बांग्लादेश में कट्टरपंथी लोगों ने सत्ता पर कब्जा किया है, तो वहीं श्रीलंका और नेपाल में भ्रष्ट नेताओं की वजह से आम पब्लिक ने परेशान होकर कुर्सी छीन ली। हम बात कर रहे थे सिक्किम के भारत में विलय की, तो वर्ष 1975 में सिक्किम की जनता ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जनआंदोलन किया था। जन आंदोलन विद्रोह में बदल गया। वहां राजशाही ने जनता के विद्रोह से डरकर सत्ता छोड़ दी और भारत में विलय को मंजूरी दी थी। उसके बाद सिक्किम भारत का हिस्सा हो गया। अब वही स्थिति नेपाल में दिखाई देने लगी है। नेपाल के प्रधानमंत्री इस्तीफा देकर विदेश भाग चुके हैं। सड़कों पर प्रदर्शन कर रही जनता को भी सेना ने कंट्रोल कर लिया है। जबसे नेपाल में राजधर्म हिन्दू व राजशाही खत्म कर धर्मनिरपेक्ष सरकार की स्थापना हुई है तब से लगातार नेपाल अस्थिर बना हुआ है। नेपाल की जनता हमेशा से हिन्दू धर्म में आस्था रखती रही है। उसे धर्म निरपेक्षता और चीन परस्त माओवादी सरकार पसंद नहीं आ रही है। आखिरकार भ्रष्टनेताओं से परेशान जनता ने जनआंदोलन छेड़कर वहां की सरकार को बेदखल कर दिया है। अब वहां अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। वहां की जनता तिरंगा झंडा हाथ में लिए भारत माता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जयकारे लगा रही है। इस घटनाक्रम पर पूरा विश्व विशेषकर अमेरिका और चीन टकटकी लगाए नजर रख रहे हैं। मगर आने वाले समय में अंतरिम सरकार इस घटनाक्रम से कैसे निपटती है ये भविष्य बताएगा। मगर, हमें अंदरखाने नेपाल को पुनः हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जा सकता है। संभावना ऐसी भी दिखती है कि परिस्थितियां भारत में विलय करा दे। अगर ऐसा हुआ तो विश्व में भारत का प्रभाव और बढ़ेगा तथा भारत के दुश्मन देशों की नींद हराम हो जाएगी। भारत के विपक्षी दलों की तो बात करना ही यहां उचित नहीं लग रहा है।

shivdayalmishra@gmail.com

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तेज होंगे प्रयास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के मध्य व्यापारिक संबंधों में तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में दोनों पक्षों के अधिकारियों के बीच यहां मंगलवार को हुई बैठक में व्यापार समझौते के लिए प्रयास तेज करने पर सहमति बनी है। वार्ता को पटरी पर लाने के उद्देश्य से अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में आये अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के एक दल की यहां वाणिज्य विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें भारतीय दल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने किया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार चर्चा "सकारात्मक और भविष्योन्मुखी" रही और इसमें व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वार्ता के दौरान इस बात पर सहमति बनी है कि दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद व्यापार समझौते के लिए प्रयास तेज किये जायें ताकि जल्द उसके सार्थक परिणाम सामने आ सकें। अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक भागीदार है, लेकिन अमेरिका के भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास आयी है। राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति, और अमेरिका के कुछ अधिकारियों के कटु बयानों के कारण दोनों पक्षों के व्यापारिक संबंधों में तनाव उत्पन्न हो गया था। हाल ही में राष्टपति ट्रंप के नरमी भरे बयान और सोशल मीडिया पोस्ट तथा उन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उत्साहजनक प्रतिक्रियाओं से व्यापार वार्ता में गतिरोध टूटने का रास्ता निकालने की संभावना उभरी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उम्मीद जाहिर की है कि भारत और अमेरिका के बीच नवंबर तक कोई अच्छा समझौता हो जायेगा। वहीं, प्रधानमंत्री पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत के लिए देश के किसानों पशुपालकों मछुआरों और छोटे तथा मझौले उद्योगों का हित सर्वोपरि है और उनके साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। दूसरी तरफ, अमेरिका जीएम मक्का, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों के बाजार के लिए भारत पर दबाव बना रहा है।

प्रशासन ने तैयारियों को दिया अंतिम रूप

प्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर आज से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में 17 सितंबर से शहरी सेवा शिविर एवं ग्रामीण सेवा शिविर अभियान का शुभारंभ होगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों तो अधिक से अधिक ग्रामीणों को इन शिविरों के माध्यम से लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार जैन ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविरों का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक सेवाओं को गांव स्तर तक पहुंचाना और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। इन शिविरों में रास्ते खोलना, आपसी सहमति से विभाजन एवं नामान्तरण, लम्बित नोटिसों की तामीली एवं फार्मर रजिस्ट्री को पूर्ण करवाया जाना, मूल निवास, जाति प्रमाण-पत्र एवं स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व पट्टे बनाना एवं वितरण करना, किसान गिरदावरी एप द्वारा गिरदावरी करवाने के साथ-साथ दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना हेतु 10 हजार और गांवों का बीपीएल सर्वे एवं पशुओं की जांच, इलाज एवं टीकाकरण जैसे कार्य किये जाएंगे

अष्टम राष्ट्रीय पोषण माह 2025

राष्ट्रीय पोषण माह में इस बार भी राजस्थान बनेगा नम्बर-1- दीया कुमारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होने वाले अष्टम राष्ट्रीय पोषण माह को और अधिक प्रभावी तरीके से मनाया जाए। उन्होंने कहा कि "जैसे पिछले पोषण पखवाड़े में राजस्थान ने देश में नम्बर-1 स्थान हासिल किया था, वैसे ही इस बार भी हमारा लक्ष्य सर्वोच्च प्रदर्शन कर पोषण अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देना है।" महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने बताया कि पिछली बार राजस्थान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त किया था। इस बार भी व्यापक स्तर पर गतिविधियों के जरिए बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उल्लेखनीय है कि सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण अभियान 2.0 के तहत वर्ष 2018 से हर साल सितम्बर माह को "राष्ट्रीय पोषण माह" के रूप में मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य और पोषण के प्रति व्यापक जन-जागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और विभिन्न विभागों एवं मंत्रालयों के सहयोग से इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देना है।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

108 आपातकालीन सेवा एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाएँ अत्यावश्यक सेवा घोषित आगामी 6 माह तक हड़ताल पर प्रतिबंध

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार आपातकालीन सेवाओं की हड़ताल से जन स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए 108 आपातकालीन सेवा, 104 जननी एक्सप्रेस, ममता एक्सप्रेस तथा 104 चिकित्सा परामर्श सेवाओं एवं कॉल सेंटर्स सेवाओं को आगामी छह माह तक अत्यावश्यक सेवाएँ घोषित किया गया है। गृह विभाग के उप शासन सचिव महेश कुमार शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इन सेवाओं को 19 सितम्बर से आगामी 6 माह के लिए अत्यावश्यक सेवा घोषित कर इस समयावधि में हड़ताल को प्रतिबंधित किया गया है।

जिलास्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम कल

जयपुर @ जागरूक जनता। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 18 सितम्बर, 2025 (गुरुवार) को जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे।

इंडिया-जापान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'बायकॉन-2025': शिक्षा ऐसी हो जिसमें सभी प्रश्नों का उत्तर मिले, नई पीढ़ी को प्राचीन भारतीय ज्ञान से जोड़े

जापान की प्रगति से सीख लेकर विकसित भारत के लिए कार्य करें- राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज और महेश्वरी पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय 20वीं इंडो-जापान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'बायकॉन 2025' का समापन आज सफलतापूर्वक हुआ।

इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस के समापन दिवस के मुख्य अतिथि, माननीय महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने शिरकत की। उन्होंने विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत (पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान), अजय शर्मा, प्रथम सचिव यासुयुकी नाकायामा, (भारत एवं भूटान में जापान दूतावास), आयोजक चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी, डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी और रिसर्च एवं डेवलपमेंट डायरेक्टर डॉ. मनीष बियानी , डीन व प्रिंसिपल डॉ ध्यान सिंह गोठवाल के साथ भारतङ्कजापान ध्वज सांझेदारी समारोह में भाग लिया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम गिराया गया। इसके बावजूद उसने अपने आपको संभाला ही नहीं बहुत तेजी से सभी क्षेत्रों में प्रगति की है। उन्होंने जापान की प्रगति से सीख लेते हुए युवाओं को राष्ट्र प्रगति के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा देश को गुलाम बनाने, गुरुकुल विद्या पद्धति समाप्त कर मैकाले द्वारा अंग्रेजी शिक्षा पद्धति को लागू करने से हुए नुकसान की चर्चा करते हुए कहा कि देश की नई शिक्षा नीति राष्ट्र को विकास पथ पर आगे ले जाने वाली है। उन्होंने बांसवाड़ा की वीरांगना कालीबाई की चर्चा करते हुए कहा कि ऐसे गौरवमय चरित्रों से सीख लें। उन्होंने देश में डिजिटल क्रांति, नीतिगत सुधारों और वैश्विक एकीकरण से शिक्षा और उद्योग क्षेत्र में विकास किए जाने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल ने कहा कि देश में इस समय 1 हजार 362 विश्वविद्यालय है। देश में 2020 में 42 हजार 343 कॉलेज थी जो आज बढ़कर 52 हजार 538 हो गए है। उन्होंने कहा कि सरकारी के साथ साथ निजी कॉलेज उद्योगों के साथ समन्वय कर राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कार्य करे।

विद्याधर नगर कॉलेज में हिन्दी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। राजकीय महाविद्यालय विद्याधर नगर जयपुर में प्रभारी प्राचार्य डॉ.प्रहलाद सहाय बुनकर की अध्यक्षता में हिन्दी सप्ताह हर्षोल्लास से मनाया गया जिसमें श्रुति लेख, निबन्ध, पोस्टर, कविता, हिन्दी प्रश्नोत्तरी , भाषण, वाद विवाद आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रोफेसर बुनकर ने बताया कि महाविद्यालय में आयोजित कविता प्रतियोगिता में चारु सिंह प्रथम, हर्षा कंवर द्वितीय, बीना महावर तृतीय, भाषण में लक्षिता अग्रवाल प्रथम, अंजलि अग्रवाल द्वितीय, पीयूष स्वामी तृतीय, वाद विवाद में पीयूष स्वामी प्रथम, लोकेश बैरवा द्वितीय, लक्षिता अग्रवाल व अंजलि अग्रवाल संयुक्त रुप से तृतीय, श्रुतिलेख में तमन्ना हरिजन प्रथम, अंजलि अग्रवाल द्वितीय, बीना महावर तृतीय, निबन्ध में चक्षु शर्मा प्रथम, पीयूष स्वामी द्वितीय, तनीषा शर्मा तृतीय,हिन्दी प्रश्नोत्तरी में गोदान टीम(पीयूष स्वामी,रोहित ,लोकेश बैरवा) प्रथम और साकेत टीम (तमन्ना हरिजन,मुस्कान करण,तनीषा शर्मा) द्वितीय स्थान जबकि पोस्टर(चार्ट) प्रतियोगिता में आकांक्षा सैन व चारु सिंह प्रथम, संजना जाजोटर व दीपा कुमारी द्वितीय, बीना महावर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिन्दी सप्ताह का संयोजन डॉ.निर्मला कुमावत ने किया तथा गरिमा भास्कर, डॉ.दिव्या शर्मा, डॉ. सोनालिका कुमावत, डॉ. बीना कुमारी व डॉ. चेतना शर्मा की पूर्ण भागीदारी रहीं।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। आयुर्वेद दिवस 2025 की थीम "आयुर्वेद जन-जन के लिए एवं पृथ्वी के कल्याण के लिए" के तहत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ने ग्राम पंचायत समिति जालसू एवं वेदांत महाविद्यालय मुकुंदपुरा में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण शिविर का आयोजन किया। यह शिविर दिनांक 15 सितंबर 2025, सोमवार को आयोजित किया गया जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 600 रोगियों ने लाभ लिया। शिविर का आयोजन राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण जनता को आयुर्वेदिक उपचार एवं परामर्श प्रदान करना था ताकि वे प्राकृतिक और सुरक्षित चिकित्सा पद्धतियों से स्वास्थ्य लाभ उठा सकें। इस अवसर पर रोगियों को न केवल परामर्श दिया गया बल्कि आवश्यक औषधियां भी निःशुल्क वितरित की गईं। कार्यक्रम में प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, प्रोफेसर मोहरपाल मीना, डॉ. रीतेश रामनानी, डॉ. सुभाष यादव सहित विभाग के पीएचडी एवं पीजी शोधार्थी और अन्य कर्मचारी सरि य रूप से सेवा प्रदान करते हुए दिखाई दिए। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से रोगियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और उन्हें उपयुक्त उपचार का सुझाव दिया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ आयुर्वेद के प्राचीन और वैज्ञानिक ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविर में शामिल लोगों ने इस सेवा को अत्यंत लाभकारी बताया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं।

ओसवाल सोप ग्रुप का लक्की ड्रा 2025

प्रथम पुरस्कार कार, 25001 विजेता सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ओसवाल सोप ग्रुप की ओर से 'ओसवाल सोप ग्रुप का लक्की ड्रा 2024-25' का भव्य आयोजन जयपुर के आगरा रोड, रिंग रोड प्रोजेक्ट के पास स्थित बगराना स्थित कॉर्पोरेट ऑफिस में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी राजेन्द्र किशन, विशिष्ट अतिथि के रूप में आयकर विशेषज्ञ डॉ. सीए विजय गोयल तथा विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित उद्योगपति रामबाबू सर्राफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ ओसवाल ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर्स देवेन्द्र कुमार जैन और सुरेन्द्र कुमार जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत-सत्कार कर किया। इस अवसर पर लक्की ड्रा 2025 का परिणाम पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से, मोबाइल एप के माध्यम से निकाला गया। इस वर्ष के लक्की ड्रा में प्रथम पुरस्कार के रूप में एक कार, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 20 मोटरसाइकिलें तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 30 स्प्लिट एसी सहित कुल 25,001 पुरस्कार वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि राजेन्द्र किशन ने कहा कि उनका ओसवाल ग्रुप से आत्मीय संबंध रहा है और वे सदैव इसकी सादगी और सिद्धान्तों से प्रभावित रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए टैक्स के स्थान पर 'अनुदान' शब्द को बढ़ावा देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. सीए विजय गोयल ने कहा कि निष्ठा, मेहनत और सेवा का भाव हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। विशेष आमंत्रित अतिथि रामबाबू सर्राफ ने ओसवाल ग्रुप की गुणवत्ता की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज "ओसवाल" गुणवत्ता और भरोसे का पर्याय बन चुका है।

रिटेलरों को बढ़ावा देने की पहल

एमडी अजय जैन ने कहा कि इस लक्की ड्रा का उद्देश्य सभी रिटेलरों व व्यापारिक बंधुओं को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में अधिकतम कूपन वितरण हेतु प्रेरित करना था। इस पहल को रिटेलरों द्वारा खूब सराहा गया।

कार्यक्रम के अंत में एमडी देवेन्द्र कुमार जैन और सुरेन्द्र कुमार जैन ने सभी अतिथियों और व्यापारिक सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एमडी अजय जैन का जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया और सभी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

उल्लेखनीय है कि ओसवाल सोप ग्रुप राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में सफलतापूर्वक व्यवसाय कर रहा है और गुणवत्ता व सेवा के लिए जाना जाता है।

छह दिवसीय कंटीन्यूअस मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का शुभारंभ

अकादमिक एवं क्लीनिकल कार्यों में आधुनिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है-कुलपति शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में क्रिया शारीरिक शिक्षकों के लिए छह दिवसीय कंटीन्यूअस मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को किया गया। इस कार्यक्रम में पूरे देश के लगभग 16 राज्यों से 30 प्रतिभागी शामिल हुए, जो अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। यह कार्यक्रम शिक्षण, प्रशिक्षण, क्लीनिकल और रिसर्च के गुणों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उद्घाटन सत्र का आयोजन संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय टेक्नोलॉजी का युग है, और सभी शिक्षकों को अपने अकादमिक एवं क्लीनिकल कार्यों में आधुनिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि केवल पारंपरिक ज्ञान पर निर्भर रहना अब संभव नहीं, बल्कि नवाचार और तकनीक के माध्यम से आयुर्वेद को नए आयाम देने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर महेंद्र सिंह मीणा ने कहा कि यह कार्यक्रम ज्ञान और अनुभव साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि वे अपने अनुभव एवं विचारों को साझा करें ताकि सभी को अधिक से अधिक सीखने का अवसर मिल सके। क्रिया शारीर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सी.आर.यादव ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि यह कार्यक्रम केवल शैक्षणिक पक्ष का ही अध्ययन नहीं करेगा, बल्कि बीमारियों का विभाजन एवं उनका विश्लेषण भी करेगा। इससे रोगों से भी परिचित हो सकेंगे और समाधान खोजने में समर्थ होंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यावहारिक अनुभव और ज्ञान साझा करने से ही आयुर्वेद का वैज्ञानिक विकास संभव है। कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर बालकृष्ण पवार ने कफ दोष एवं ओज पर अपने अनुभव साझा किए। वहीं, प्रोफेसर स्वाति चौबे ने बाल एवं पित्त पर अपने शोध और क्लीनिकल अनुभव प्रस्तुत किए, जिनसे सभी प्रतिभागियों को लाभ हुआ। उद्घाटन सत्र में संस्थान के प्रो. हेमंत कुमार, प्रो. एच. एम. एल मीणा, प्रो. अनुपम श्रीवास्तव, प्रोफेसर भारती , प्रोफेसर सुनील यादव, प्रोफेसर सुरेंद्र शर्मा, प्रोफेसर संदीप, प्रोफेसर गोपेश मंगल, प्रोफेसर सुमन शर्मा सहित विभागीय संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। सभी ने इस कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

यह 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम न केवल क्रिया शरीर शिक्षकों के लिए अकादमिक सुधार का अवसर है, बल्कि यह क्लीनिकल एवं रिसर्च के क्षेत्र में नवीन तकनीकों को अपनाने और आधुनिक ज्ञान से लैस होने का भी माध्यम है। इस प्रकार के कार्यक्रम देशभर में आयुर्वेदिक शिक्षा को सुदृढ़ करने में मददगार साबित हो रहे हैं।

जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय का 13वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से सम्पन्न

ज्ञान, कृषि और प्रगति का संगम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का 13वाँ स्थापना दिवस विश्वविद्यालय के अधीन कृषि अनुसंधान संस्थान, रारी दुर्गापुरा में बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रावल श्री कर्ण नरेंद्र जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किसान आयोग के अध्यक्ष श्री सी.आर. चौधरी ने कहा कि रावल श्री कर्ण नरेंद्र जी जैसे महापुरुषों ने शिक्षा को आधार बनाकर समाज को नई सोच दी, जिसकी बदौलत आज लाखों छात्र-छात्राएँ ज्ञान अर्जित कर रहे हैं।

उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने मात्र तीन वर्षों में विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि "जीवन में सफलता कठिन परिश्रम और पसीने से ही मिलती है। जब मेहनत और तकनीक साथ चलते हैं तो जीवन सार्थक बन जाता है।"साथ ही उन्होंने शिक्षकों और वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे निरंतर कार्य कर शिक्षा व अनुसंधान को किसानों की प्रगति से जोड़ें।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने कहा कि रावल श्री कर्ण नरेंद्र जी की दूरदृष्टि से यह विश्वविद्यालय आज वटवृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन 11 जिलों का विशाल क्षेत्र आता है।इसमें 41 कॉलेज, 8 कृषि विज्ञान केंद्र, 7 अनुसंधान स्टेशन और 36 फार्म पोंड (130 करोड़ लीटर क्षमता) जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। डॉ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित उन्नत किस्में देशभर में किसानों के बीच लोकप्रिय हैं और फसल उत्पादकता बढ़ा रही हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों को सकारात्मक सोच और आत्मचिंतन के साथ किसानों के हित में समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया।

अग्रवाल एजुकेशनल कल्चरल एंड वेलफेयर सोसाइटी और राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर

'संगीत रस वर्ष' में बही संगीत की त्रिवेणी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अग्रवाल एजुकेशनल कल्चरल एंड वेलफेयर सोसाइटी और राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के संयुक्त तत्वाधान "संगीत रस वर्ष" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का प्रारंभ पंडित प्रवीण आर्य के पखवाज वादन से हुआ। उन्होंने ताल तीन ताल में कठिन लयकारियों पर आधारित बंदिशें प्रस्तुत की और अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रोफेसर सुमन यादव ने राग मधुवंती में दो स्वरचित बंदिशें प्रस्तुत की और अपने कार्यक्रम का समापन स्वयं के द्वारा स्वरबद्ध ठुमरी से कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तानपुरे पर डॉ नीलम सेन तथा यशवर्धन सिंह यादव, तबले पर फ़तेह वारसी एवं हारमोनियम पर गिरिराज कुमार बालोदिया ने उत्कृष्ट संगत की। अगली श्रृंखला में डॉ. स्वाति अग्रवाल ने ताल तीन ताल में प्रस्तुति दी और विरोहत्कंठिता नायिका पर आधारित ठुमरी प्रस्तुत कर अपने सशक्त अभिनय का परिचय दिया। डॉ. स्वाति अग्रवाल की शिष्यायों ने "ऋतुरंग" की मनोहरी प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने भारत की छह ऋतुओं- शिशिर, वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद और हेमंत का नृत्य के माध्यम से सुंदर चित्रण किया।

शिशिर ऋतु दृष्टि, शाइनी, संस्कृति, यशवी, अयाना और इशिका ने बसंत ऋतु मानवी, जया, आध्या, ऋत्विका, आराध्या, तात्विक और प्रसन्ना ने ग्रीष्म ऋतु स्नेहल, चारवी, अदिति, भावना, अक्षिता और अवनी ने वर्षा ऋतु आदित्री, अवनी, हर्षिका, नव्या, एंजेल, सृष्टि, आर्निका, भव्यल, काव्या और इलाक्षी ने शरद ऋतु अदिति, अवनी, काव्या, मनजीत, तोनिषा, रित्विका, तेजांशी, आरवी, दिविजा और शीर्षा ने और हेमन्त ऋतु अक्षिता, शिप्रा, शगुन, पूर्वी, सानवी शर्मा, सानवी आहूजा, वामिका, आराध्या, काव्या और अवनि ने प्रस्तुत की ल हिंदी दिवस के अवसर पर इस प्रस्तुति में प्रसिद्ध हिंदी कवियों की कविताओं का भी समावेश किया गया। मैथिलीशरण गुप्त की "ग्रीष्म गमन" और "चारुचंद्र की चंचल किरणें" और सुमित्रानंदन पंत की शिशिर' इन कविताओं का कुछ अंश "ऋतुरंग" में सम्मालित किये गए। इस प्रस्तुति में गायन पर मुन्ना लाल भाट, सारंगी पर अमीरुद्दीन खान, सितार पर कृष्ण कथक, तबले पर आदित्य सिंह राठौड़ और मुज़फ़्फ़र रहमान ने सशक्त संगत की। मंच संचालन प्रणय भारद्वाज ने किया।

जागरूक खबरें

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ स्वच्छता अभियान से करेंगे सेवा पखवाड़े का शुभारंभ

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से भाजपा प्रदेशभर में सेवा पखवाड़े का शुभारंभ करेगी। सेवा पखवाड़ा 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न जनसेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, प्रधानमंत्री के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शन, प्रबुद्ध वर्ग संवाद, विशेष योग्यजन एवं विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान,वोकल फॉर लोकल का प्रचार, सांसद खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन, विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता, मोदी विकास मैराथन, पंडित दीनदयाल जयंती एवं गांधी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया जाएगा।

विधि एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता को किया सम्बोधित

मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के पथ पर देश अग्रसर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मिनिस्टर जोगाराम पटेल, विधि एवं कानून मंत्री ने नेक्स्ट जेन जीएसटी विषय पर प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित किया।मोदी जी के कारण आज देश दो दिवाली मना रहा है। मोदी जी ने दीपावली से पहले आमजन के लिए कर सुधार की दीपावली बनवा दी है,"एक देश- एक कर" का सपना साकार हो गया है। यूपीए सरकार के समय पर टैक्स की जटिल प्रणाली थी इंस्पेक्टर राज था, जिसे अब मोदी सरकार ने आसान,पारदर्शी और जनकल्याणकारी बनाया है। उन्होंने रोटी, कपड़ा, मकान ही नहीं वरन् जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी वस्तुओं को सस्ता किया है। मोदी जी विश्व के सर्वमान्य नेता हैं। हमारा सीना गर्व से फूल जाता है उनके नेतृत्व में टैक्स के क्षेत्र में क्रांति आई है। यह मोदी जी की ही नीतियां हैं कि आजादी के बाद ऐतिहासिक रूप से जब महंगाई दर घटकर का सामान्य दर से भी कम पर आई है। अन्य देशों की तुलना में हमारा राष्ट्र विकसित देशों की श्रंखला

में तेज गति से बढ़ रहा है। उन्ही के कुशल नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है,

उन्होंने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने रोजमर्रा की चीजों पर टैक्स घटकर 5% या शून्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि टैक्स कम होने से दवाइयां और ऑक्सीजन की दरे भी कम हो गई है। पहले जीएसटी की 4 स्लैब थी लेकिन, मोदी सरकार ने इसे सरल बनाकर 5 और 18% की सिर्फ दो ही स्लैब की है। वाहन खरीदना अब 10% सस्ता हो गया है, यानी ट्रैक्टर से लेकर टॉफी तक लेना अधिक आसान हो गया है। हमारे करदाताओं की संख्या डेढ़ करोड़ हो गई है। मोदी सरकार के नेतृत्व में जीएसटी का संग्रह 11 लाख करोड रुपए से बढ़कर 2024- 25 में 22 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

हमारे लिए बहुत ही गौरव की बात है कि उनके जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। सभी जगह हमारे कार्यकर्ता जनहित के कार्य करेंगे और प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचेंगे।

प्रेस वार्ता में जयपुर शहर भाजपा के जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री 2014 से जब से प्रधान सेवक के पद पर आए हैं, उनकी हर योजना के केंद्र में अगर कोई था तो देश के गरीब जनता थी। उन्होंने गरीबों को गणेश मानकर हर नीति की शुरुआत उनसे की है। उनके कुशल नेतृत्व में देश में चाहे 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं करोड़ों गरीबों को मकान दिए गए हो। देश के आमजन और गरीब की चिंता उन्होंने हमेशा की है।

प्रेसवार्ता में सभी पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए गए। इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत की संयोजक रेखा राठौड, नेक्स्ट जेन जीएसटी के संयोजक अजय यादव, सेवा पखवाड़ा के जिला संयोजक नवरत्न नाराणिया सहित जिले के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

विश्व ओज़ोन दिवस 2025 के अवसर पर राज्यस्तरीय समारोह

ओज़ोन परत की रक्षा केवल वैज्ञानिकों की नहीं हमारी सामूहिक जिम्मेदारी-कुमार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्री आनंद कुमार ने कहा कि ओज़ोन परत हमें सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरणों से बचाती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम "विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक" यह दर्शाती है कि कैसे विज्ञान की चेतावनियों को हमने वैश्विक नीतियों और ठोस प्रयासों में परिवर्तित किया है। कुमार ने कहा कि ओज़ोन परत की रक्षा केवल वैज्ञानिकों की नहीं हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग आनंद कुमार मंगलवार को विश्व ओज़ोन दिवस के अवसर पर आरआईसी, जयपुर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ओज़ोन परत में क्लोरोफ्लोरोकार्बन्स जैसी गैसों से हो रहे क्षरण को देखते हुए 1987 को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल लाया गया, जिसके तहत दुनिया ने मिलकर ओज़ोन को नुकसान पहुंचाने वाली रसायनों को चरणबद्ध रूप से खत्म करने का संकल्प लिया।

इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान

कुमार ने कहा कि भारत सरकार ने पर्यावरणीय संरक्षण की कड़ी में मार्च 2019 में इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान की शुरुआत की। यह दुनिया की पहली योजना है जो शीतलन आवश्यकताओं को ऊर्जा दक्षता, ओजोन परत की सुरक्षा और जलवायु नीति से जोडती है। उन्होंने बताया कि इसके तहत शीतलता के लिये उपलब्ध तकनीकों की पहचान के साथ ही वैकल्पिक तकनीक, अप्रत्यक्ष उपायों और अलग प्रकार की तकनीकों की पहचान की जाएगी। इसका उद्देश्य 2037-38 तक रेफ्रिजरेंट की माँग को 20 से 30 प्रतिशत तक घटाना तथा एक लाख से अधिक तकनीशियनों को प्रशिक्षण एवं प्रमाणन प्रदान करना है।

"पंचामृत" से होगा पर्यावरण का संरक्षण

अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने बताया कि भारत ने कोप- 26 में पांच बड़े संकल्प लिए है, इसे पंचामृत कहा गया है। इसके तहत वर्ष 2030 तक पांच प्रतिबद्धताओं की क्रियान्विति के लिए कदम उठाए जा रहे है। यह पांच प्रतिबद्धताएं है- सौ गीगावॉट नॉन-फॉसिल ईंधन उत्पादन क्षमता को प्राप्त करना, अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का करीब 50% नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करना, कार्बन उत्सर्जन में लगभग एक अरब टन तक की कमी लाना, कार्बन इंटेंसिटी में लगभग पैंतालीस प्रतिशत की कमी करना व वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करना।

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान

ICAR - Central Sheep and Wool Research Institute
Avikanagar, Malpura, Rajasthan - 304501
Tel. Nos. +91-1437-220162 / 220 164 FAX: +91-1437-220163
Email: cao.cswri@icar.gov.in,adm2.cswri@icar.gov.in :
Web site: www.cswri.icar.gov.in

फ.स. : cswri/06/2025 **दिनांक:** 12/09/2025

विज्ञप्ति

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर में स्थित "**ह्यूमन डिस्पेंसरी**" हेतु 1 (एक) चिकित्सा अधिकारी के पद पर संविदा (अनुबंध) के आधार पर भर्ती के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया संस्थान की वेबसाइट www.cswri.res.in पर जाएं।

कार्यालय प्रमुख

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पदमपुरा में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया लोकार्पण

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सरकार प्रतिबद्ध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोडाभीम (करौली)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने करौली जिले के पदमपुरा ग्राम में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया।

दिया कुमारी ने कहा कि "यह सिर्फ एक भवन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, सुरक्षा और समृद्धि की आधारशिला है। इससे पदमपुरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को समय पर इलाज मिल सकेगा और लोगों को दूर नहीं जाना पड़ेगा।" उन्होंने बताया कि डबल इंजन की सरकार केंद्र और राज्य स्तर पर मिलकर चिकित्सा क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चिकित्सा सेवाओं को सस्ता, सुलभ और अत्याधुनिक बनाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राजस्थान सरकार जनता की सेवा में निरंतर कार्यरत हैं। करौली जिले के विकास के लिए दोनों बजट में करोड़ों की घोषणाएं की गई हैं, जिन पर युद्धस्तर पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि "पिछली सरकार अपनी कुर्सी बचाने के लिए होटलों में चली गई थी, लेकिन हमारी सरकार जनता के विकास और सेवा के लिए दिन-रात काम कर रही

है।" उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा' आयोजित होगा, जिसमें जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने पदमपुरा रोड से खोहरा सड़क की मरम्मत और मेगा हाईवे से वाया खाज़ली होकर ओडी धाम तक सड़क निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनका इस क्षेत्र से पारिवारिक जुड़ाव रहा है और "मैं आपके परिवार का हिस्सा हूँ, आप सबके बीच आकर बेहद अच्छा लग रहा है।" कार्यक्रम के दौरान रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा ग्राम पंचायत के सफाई कर्मियों को दैनिक रोजमर्रा में काम आने वाली वस्तु एवं राशन किट का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, सपोटरा विधायक हंसराज मीणा, दौसा प्रत्याशी जगमोहन मीणा, सांसद प्रत्याशी इंदु देवी जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष गोवर्धन सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष बृजलाल, सरपंच हंसराज सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान महिला निधि को एनसीडीसी से मिली 3,000 करोड़ की ऋण सुविधा

ग्रामीण महिलाओं को 1.5% वार्षिक दर पर मिलेगा ऋण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार की "राजस्थान महिला निधि" योजना ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस योजना के तहत राजीविका स्वयं सहायता समूहों (SHG) और उनकी सदस्याओं को आसान, सुलभ और त्वरित ऋण दिया जाता है ताकि वे अपना व्यवसाय शुरु या विस्तारित कर सकें और परिवार की आमदनी बढ़ा सकें।

योजना की जानकारी देते हुए नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक (SMD), राजीविका, ने बताया कि महिलाएं 40,000 रुपये तक का ऋण मात्र 48 घंटे में प्राप्त कर सकती हैं, जबकि इससे अधिक राशि 15 दिनों में स्वीकृत होती है। यह योजना राजस्थान के सभी 41 जिलों में लागू है और लगभग 4 लाख SHG समूहों व करीब 45 लाख ग्रामीण परिवारों तक पहुँच चुकी है। गरीब, निराश्रित और वंचित महिलाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाती है। डिजिटल आवेदन और न्यूनतम कागजी कार्यवाही होने से प्रक्रिया बेहद सरल है। योजना के विस्तार के लिए राज्य सरकार ने नेशनल को-

ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NCDC) से 3,000 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा प्राप्त की है। एनसीडीसी भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक वैधानिक संगठन है। उक्त राशि का चेक प्रदान किये जाने के अवसर पर श्री रोहित गुप्ता, उप प्रबंध निदेशक NCDC, डॉ. पूजा शर्मा, CEO - राजस्थान महिला निधि उपस्थित थे। योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा महिलाओं को ऋण पर ब्याज अनुदान दिया जाएगा जिससे उन्हें केवल 1.5% वार्षिक ब्याज पर ऋण उपलब्ध हो सकेगा। यह राशि महिलाओं को सूक्ष्म उद्यम, कृषि, पशुपालन, छोटे कारोबार और सामाजिक आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में प्रयुक्त होगी। कम ब्याज दर महिलाओं को बिना आर्थिक बोझ के व्यवसाय बढ़ाने में मदद करती है। समय पर ऋण से महिला उद्यमिता, आय वृद्धि और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा मिला है। आवेदन से लेकर निगरानी तक सभी प्रक्रियाएँ पूरी तरह ऑनलाइन हैं।

सामुदायिक समूह और महिला नेतृत्वकर्ता जागरूकता फैलाने और ऋण अदायगी में सक्रिय हैं। राजस्थान महिला निधि अब ग्रामीण वित्तीय समावेशन और महिला सशक्तिकरण का राष्ट्रीय मॉडल बन रही है और लाखों परिवारों का भविष्य उज्ज्वल कर रही है। इस अवसर पर सुनील कुमार छापोला, क्षेत्रीय निदेशक एनसीडीसी जयपुर, विकास उपाध्याय, निदेशक सी, आईसी और एससी, मीनाक्षी यादव, उप निदेशक सी, आईसी और एससी, शंभू दयाल कुमावत, डीपीएम - राजस्थान महिला निधि भी उपस्थित रहे।

राजनीति में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता हित को मिलेप्राथमिकता-मदन राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पुष्कर एवं नागौर प्रवास के दौरान मीडिया को गहलोत, डोटासरा की बयानबाजी, सदन में कैमरे, मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां और सेवा पखवाड़े सहित विविध विषयों पर प्रतिक्रियाएं दी। राठौड़ ने कहा कि राजनीति में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता के हित को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जहां भी कानून की अवहेलना हुई हो, उसकी निष्पक्ष जाँच की जाएगी एवं दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनता से अपील है कि वे सच्चाइयों का स्वयं आकलन करें और किसी भी प्रकार की अफवाह या तथ्यहीन प्रचार से सावधान रहें।

उन्होंने अशोक गहलोत पर भ्रष्टाचार व सरकारी संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता जानती है कि अशोक गहलोत ने अपने कार्यकाल में जमकर भ्रष्टाचार किया और एसओजी, एसीबी जैसी संस्थाओं का भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ दुरुपयोग किया। गहलोत ने विधायकों की खरीद फरोख्त एवं सरकार गिराने के षड्यंत्र के आरोप में एसओजी तथा एसीबी में भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठी एफआईआर तक दर्ज करवाई थी, हालांकि कोर्ट ने गहलोत के राजनीतिक षडयंत्र को उजाकर करने का काम किया और गहलोत द्वारा भाजपा कार्यकर्ता पर चलाए गए झूठे मुकदमों का सच जनता के सामने आ गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सदन में कैमरे लगाने पर विपक्ष की बयानबाजी पर कहा कि विधानसभा में कैमरों का होना सार्वजनिक जीवन का ही हिस्सा है। विधानसभा में उपस्थित विधायक सार्वजनिक प्रतिनिधि हैं, इसलिए उनकी गतिविधियां सार्वजनिक रहती हैं।

सम्पादकीय

जीत संग जिम्मेदारी

उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत अप्रत्याशित नहीं है। संख्या बल शुरू से उनके साथ था। I.N.D.I.A. ब्लॉक सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारकर एक मेसेज देना चाहता था और इसमें वह काफी हद तक सफल रहा। वैसे भी उपराष्ट्रपति चुनाव को केवल वोटों के गणित और सियासी समीकरणों से नहीं तौला जा सकता। असली चुनौती यहां से शुरू होती है। इस चुनाव की नौबत इसलिए आई क्योंकि सत्र के बीच में उपराष्टपति जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा दे दिया। देश के सामने ऐसे स्थिति कभी नहीं आई थी कि संसद का सत्र चल रहा हो और उपराष्टपति अचानक पद छोड़ दें। उनका जाना कई सवाल खड़े कर गया। सीपी राधाकृष्णन को इस अतीत से आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी है।

वह ऐसे वक्त में यह पद संभालने जा रहे हैं, जब सरकार और विपक्ष के बीच असहमति की दीवार बहुत ऊंची हो चुकी है। इसका असर इस इलेक्शन में भी दिखा। दोनों तरफ से तल्खियां साफ नजर आईं और आरोप-प्रत्यारोप वैसे ही लगे, जैसे कि दूसरे चुनावों में लगते हैं। लेकिन, यह अब बीती बात है। कौन साथ रहा और कौन खिलाफ, यह भूलकर नए उपराष्टपति से उम्मीद होगी संतुलन और निरपेक्षता की। उन्हें दोनों पक्षों को साथ लेकर चलना होगा।

सीपी राधाकृष्णन के सामने एक और बड़ी चुनौती है - खुद को अराजनीतिक दिखाना। देश में उपराष्ट्रपति का पद राजनीतिक नहीं होता, लेकिन हाल-फिलहाल में इससे कई राजनीतिक विवाद जुड़ चुके हैं। धनखड़ के साथ विपक्ष की यह शिकायत आम रही कि वह उनको मौके नहीं देते। राजस्थान में विधानसभा चुनावों के दौरान भी पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के दौरों को लेकर भी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि संवैधानिक पद के अनुरूप किसी भी शख्स को किसी प्रदेश में लगातार इतने दौरे नहीं करने चाहिए। हालांकि आपका गृह राज्य राजस्थान है, लेकिन आप एक संवैधानिक पद को सुशोभित कर रहे है। ऐसे में लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं की कसौटी पर सीपी राधाकृष्णन को भी परखा जाएगा।

उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं और इस नाते सीपी राधाकृष्णन के सामने यह कठिन कार्य है कि वह कैसे उच्च सदन को उसकी गरिमा वापस दिलाते हैं। दुर्भाग्य से राज्यसभा से अब सार्थक बहसों से अधिक हंगामे और शोर-शराबे की खबरें आती हैं। इस मॉनसून सत्र में ही राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी केवल 38.8% रही। ज्यादातर वक्त सदन बाधित रहा और कई अहम मुद्दों पर बहस अधूरी रह गई। उच्च सदन को ज्यादा विचारवान माना जाता रहा है। उसकी यह खोई छवि कैसे लौटती है, नए उपराष्ट्रपति पर निर्भर करता है। गौरतलब है कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति को अपने इस्तीफे की घोषणा की गई हो। यह अपने आप में अभूतपूर्व है। अन्दर खाते यह भी चर्चा रही की विपक्ष पूर्व उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के मूड में थे। हालांकि पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने अपने इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य का हवाला बताया है। नए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की छवि साफ, सौम्य और सरल व्यक्तित्व की रही है। उन्हें इस छवि अनुरूप निचले सदन को कितना ऊपर लाना है यह उनकी असली परीक्षा होगी।

अगले जन्म मोहे बिटिया ना कीजो

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

कन्या भ्रूण हत्या से लिंगानुपात लगातार बिगड़ रहा है, जिससे आने वाले समय में सामाजिक असंतुलन बढ़ता ही जाएगा। इसे रोकने के लिए हमें बेटियों के जन्म का उत्सव मनाना होगा और उनके शिक्षा व स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना होगा।

हाल ही में एक फिल्म आई है छोरी-2, जो भ्रूण हत्या जैसे संवेदनशील विषय पर बात करती है। इस फिल्म ने एक बार फिर भ्रूण हत्या को चर्चा में ला दिया है। यूं तो भ्रूण हत्या कोई नई बात नहीं है। सदियों से दुनिया के कई देशों में अलग-अलग तरह से भ्रूण हत्या होती रही है। कहीं जन्म से पहले ही गर्भ में मार दिया जाता है, तो कहीं पैदा होने के बाद फेंक दिया जाता है। कहीं जिंदा दफन करने के बारे में भी जानकारी मिलती है। देश में लड़कियों और शिशुओं की भ्रूण हत्या आम बात हो चली है। आए दिन जन्म से पहले गर्भपात और जन्म के बाद लड़कियों को लावारिस छोड़ने अथवा झाड़ियों में फेंकने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। तमाम प्रयासों के बाद भी भ्रूण अथवा शिशु हत्या को रोका नहीं जा सका है।

कन्या भ्रूण हत्या और शिशु हत्या ऐसी सामाजिक बुराई है, जिसके आंकड़े न केवल डरावने हैं, बल्कि समाज को झकझोरने वाले भी हैं। भ्रूण हत्या को लेकर आंकड़े भी चौंकाने वाले हैं। भारत सरकार के आंकड़ों के आधार पर प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट कहती है कि 2000 से 2019 तक भारत में कम से कम 90 लाख कन्या भ्रूण हत्याएं हुईं। इनमें से 86.7 फीसदी हिंदुओं (80 फीसदी आबादी), 4.9 प्रतिशत सिखों (1.7 फीसदी आबादी) और 6.6 फीसदी मुस्लिमों (14 प्रतिशत आबादी) में दर्ज की गईं। हालांकि पुत्र वरीयता में कमी आई है, फिर भी लिंग-चयनित गर्भपात जारी हैं। भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, 0-6 वर्ष आयु वर्ग में लिंग अनुपात 914 लड़कियां प्रति 1,000 लड़के था, जो 1991 में 945 से कम है। वहीं संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट की एक रिपोर्ट कहती है कि पिछले 50 वर्षों में विश्व में लापता महिलाओं की संख्या में भारत का योगदान 4.58 करोड़ है, जिसमें कन्या भ्रूण हत्या और शिशु हत्या मुख्य कारण हैं। भारत और चीन मिलकर हर साल 15 लाख लापता कन्या जन्मों के लिए 90-95 फीसदी जिम्मेदार हैं। इधर, द लैंसेट की दो रिपोर्ट बताती हैं कि 1981 से 2016 तक 21 लाख जन्म इतिहास के विश्लेषण से पता चला कि लिंग-चयनित गर्भपात के कारण लापता कन्या जन्म बढ़े हैं। भारत का जन्म लिंग अनुपात 110 पुरुष प्रति 100 महिलाएं हैं, जो भ्रूण हत्या की ओर इशारा करता है, जबकि इसका वैश्विक औसत 101 महिलाएं है। द लैंसेट की दूसरी रिपोर्ट कहती है कि हर साल 2.39 लाख अतिरिक्त बालिका मृत्यु (5 वर्ष से कम) दर्ज की जाती हैं, जो मुख्य रूप से उपेक्षा और कुपोषण के कारण होती हैं, न कि प्रत्यक्ष शिशु हत्या के।

वहीं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का डाटा बताता है कि देश में 2022 में 63 शिशु हत्या के मामले दर्ज किए गए, जिनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 25 मामले थे। कन्या शिशु हत्या के विशिष्ट आंकड़े अलग से नहीं दिए गए। यह संख्या वास्तविकता से बहुत कम हो सकती है, क्योंकि कई मामले उपेक्षा या भुखमरी के रूप में दर्ज नहीं होते। असल में कन्या भ्रूण हत्या के सटीक आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं, क्योंकि अवैध गर्भपात दर्ज नहीं होते। शिशु हत्या के मामले भी कम दर्ज होते हैं, क्योंकि इन्हें अक्सर मृत जन्म या प्राकृतिक मृत्यु के रूप में दिखाया जाता है। क्षेत्रीय भिन्नताएं हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों में गंभीर लिंग असंतुलन स्थिति की भयावहता को दर्शाते हैं। उत्तराखंड में 2019 में 132 गांवों में तीन महीने तक कोई कन्या जन्म नहीं हुआ, जिसने भ्रूण हत्या की आशंका को बहुत हद तक बढ़ाया।

कुछ सालों पहले सरकार ने कानून पारित कर भ्रूण परीक्षण पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन इसके बावजूद हालात बहुत हद तक नहीं बदल पाए। सरकार के एक बड़े अधिकारी का कहना था कि देश में हजारों क्लीनिक ऐसे हैं, जहां आज भी भ्रूण परीक्षण चोरी छिपे धड़ल्ले से हो रहा है। उनका कहना था कि सरकार के पास इतने संसाधन नहीं हैं कि सभी क्लीनिकों पर नजर रखी जा सके। इसके लिए आम आदमी को जागरूक होकर सरकार की मदद करनी होगी। इधर, लड़कियों को जन्म से पहले मारने की प्रथा अब वहां भी प्रचलित हो रही है, जो अब तक इससे बचे हुए थे। अब जम्मू-कश्मीर में भी स्थिति चिंताजनक है। यहां का श्रीनगर शहर पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड की राह पर चल पड़ा है। ऐसी ही स्थिति और भी कई शहरों की बन रही है। ये शहर धीरे-धीरे भ्रूण हत्या की चपेट में आते जा रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि लड़कियों के प्रति इस नकारात्मक स्वभाव के गंभीर सामाजिक और अन्य प्रभाव हो सकते हैं। बार-बार गर्भपात से औरतों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। उनका मानना है कि यदि महिलाओं की संख्या यूं ही घटती रही तो महिलाओं के खिलाफ हिंसात्मक घटनाएं बढ़ जाएंगी। शादी के लिए उनका अपहरण किया जाएगा, उनकी इज्जत पर हमले होंगे, उन्हें जबरदस्ती एक से अधिक पुरुषों की पत्नी बनने पर मजबूर भी किया जा सकता है। कुल मिलाकर लड़कियों की कम संख्या उनके सम्मानजनक जीवन जीने के अवसरों को कम कर देगी और उनसे जुड़ी कुप्रथाओं को बढ़ावा देगी। लड़कियों की कम संख्या के कारण कहीं-कहीं तो एक से अधिक पति होने की परंपराएं भी प्रचलित हैं। जब तक लड़कियों की संख्या कम है, तब तक बहु पति जैसी कुप्रथाओं को रोक पाना संभव नहीं है। वहीं तमाम सामाजिक अवधारणाओं के चलते कई परिवार महिलाओं पर लड़के को जन्म देने का दबाव डालते हैं, ताकि वह परिवार का नाम आगे बढ़ा सके, चिता जला सके और परिवार का कमाने वाला बन सके। असल में एक लड़की के लिए संघर्ष उसी दिन शुरू हो जाता है, जब उसकी मां के गर्भ में उसके अस्तित्व का पता चलता है। जीवित रहने का डर और संघर्ष लड़की के जीवन के एक बड़े हिस्से को निगल जाता है, भले ही उसे इस क्रूर दुनिया में जीने की इजाजत क्यों न हो। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि कन्या भ्रूण हत्या का पाप न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में आम है, जहां महिलाओं के प्रति सामाजिक भेदभाव, उचित शिक्षा का अभाव आदि ऐसे कृत्यों को अंजाम देने के कारण माने जा सकते हैं, बल्कि शहरी क्षेत्रों और महानगरों में रहने वाले अति आधुनिक, तथाकथित शिक्षित लोग भी गर्भ में ही बालिकाओं की हत्या करने में कई कदम आगे हैं। इस क्षेत्र में काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि लड़कियों की संख्या घटने का एक कारण यह भी कि सरकारों के जनसंख्या नियंत्रण अभियानों में कमियां रही हैं और इसमें कई जबरदस्ती के पहलू भी शामिल हैं।

युवा और सोशल मीडिया एक दोधारी तलवार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आज की युवा पीढ़ी के लिए सोशल मीडिया ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। चाहे वह फेसबुक हो, इंस्टाग्राम हो, टिकटॉक हो या ट्विटर, ये प्लेटफ़ॉर्म जानकारी, मनोरंजन और एक-दूसरे से जुड़ने का मुख्य ज़रिया बन गए हैं। लेकिन इस क्रांति के कई पहलू हैं, जिनमें से कुछ फ़ायदेमंद हैं और कुछ नुकसानदेह।

नविता
समाजविद्
@jagrukjanta.net

सोशल मीडिया के फ़ायदे

» जानकारी और शिक्षा तक पहुँचः सोशल मीडिया ने युवाओं के लिए सूचना का भंडार खोल दिया है। वे दुनिया भर की घटनाओं, नए कौशल और शैक्षिक सामग्री तक आसानी से पहुँच सकते हैं। इससे उन्हें अपनी सोच को विकसित करने और दुनिया को एक व्यापक नज़रिए से देखने में मदद मिलती है।

» **अभिव्यक्ति का मंचः** सोशल मीडिया युवाओं को अपनी बात कहने, अपने विचार व्यक्त करने और सामाजिक मुद्दों पर आवाज़ उठाने का एक शक्तिशाली मंच देता है। कई युवा अब अपनी कला, संगीत, या लेखनी को इन प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए दुनिया के सामने ला रहे हैं।

» सामाजिक और आर्थिक अवसर बहुत से युवाओं ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके अपना करियर बनाया है। वे कंटेंट क्रिएटर, सोशल मीडिया मार्केटर, या ऑनलाइन बिज़नेस के रूप में काम कर रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक आज़ादी मिल रही है।

सोशल मीडिया से जुड़ी चुनौतियाँ

» **मानसिक स्वास्थ्य पर असरः** सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों की "परफ़ेक्ट" ज़िंदगी देखकर युवाओं में हीन भावना और चिंता बढ़ रही है. 'फ़ोमो' (FOMO - Fear of Missing Out) यानी कुछ छूट जाने का डर उन्हें मानसिक रूप से थका रहा है।

» **साइबरबुलिंग और नकारात्मकताः** ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर साइबरबुलिंग और हेट स्पीच की समस्या तेज़ी से बढ़ रही है। युवा अक्सर इसका शिकार होते हैं, जिससे उनके आत्मविश्वास और मानसिक शांति पर बुरा असर पड़ता है।

» **झूठी ख़बरें और भटकावः** सोशल मीडिया पर फ़ेक न्यूज़ और भ्रामक जानकारी आसानी से फैल जाती है. लोग अक्सर सही और गलत की पहचान नहीं कर पाते, जिससे वे गुमराह हो सकते हैं।

» **समय की बर्बादी और उत्पादकता में कमीः** सोशल मीडिया पर बहुत ज़्यादा समय बिताने से लोगों के अन्य महत्वपूर्ण कामों पर असर पड़ रहा है। स्क्रॉलिंग की आदत से उनका ध्यान भटक रहा है और उनकी उत्पादकता घट रही है।

आगे का रास्ताः संतुलन कैसे बनाएँ?

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली टूल है, लेकिन इसका सही इस्तेमाल करना ज़रूरी है। युवाओं को यह समझना होगा कि ऑनलाइन दुनिया असली दुनिया से अलग है। उन्हें अपनी मानसिक सेहत का ध्यान रखते हुए इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

परिवारों और स्कूलों को भी युवाओं को सोशल मीडिया साक्षरता (digital literacy) सिखाने में मदद करनी चाहिए, ताकि वे इसके फ़ायदों का लाभ उठा सकें और नुकसान से बच सकें। अंत में, सोशल मीडिया का उद्देश्य हमें जोड़ना और बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि हमें अकेला और परेशान करना।

आखर आखर झरे उजियार

सत्य पर चलने का जिम्मा लेखक पर ज्यादा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भारतेन्दु हरिश्चंद्र हिन्दी साहित्य के पितामह माने जाते हैं। वो महान कवि और नाटककार थे। हिन्दी के विकास में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। उन्होंने ब्रिटिश शासकों के अमानवीय व्यवहार के खिलाफ़ कलम चलाई। हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने के व्यापक प्रयास किए। उन्होंने साहित्य में नवजागरण के अग्रदूत की भूमिका निभाई।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

एक बार किसी महाजन ने उनके विरुद्ध तीन हजार की वसूली के लिए कोर्ट से नोटिस भिजवाया। उसका ये कहना था कि भारतेन्दु ने उनसे एक नाव खरीदी। रुपये उधार लिए और अब मांगने पर लौटा नहीं रहें हैं। जज ने वास्तविकता जानने के लिए भारतेन्दु को अलग से बुला कर पूछा कि उन्होंने कितने रुपये उधार लिए थे ? उत्तर में उन्होंने कहा कि दावे में अंकित नाव की क़ीमत और मांगी गई राशि सही है। उनके दोस्तों ने समझाया भी कि कुछ ले दे कर मामले को रफ़ा दफ़ा कर दो। अन्यथा सज़ा होने पर परेशानी झेलनी पड़ सकती है। बदनामी होगी, वो अलग बात है. परंतु भारतेंदु मानने को तैयार नहीं थे।लोगों ने समझाया, आप ख्यातिप्राप्त लेखक हैं। यदि आप इस प्रकरण से मुकर भी जाएं तो आपका कुछ भी नहीं बिगड़ेगा।

भारतेन्दु अपने निश्चय पर कायम रहे, मुझे नाव का मूल्य और बकाया राशि महाजन को लौटानी होगी। कहने लगे प्रसिद्धि के नाते सत्य पर चलने का जिम्मा लेखक का बढ़ जाता है। अगर लेखक की करनी कथनी में अन्तर होगा तो लोगों में क्या संदेश जाएगा ? इससे मेरा ही नहीं, समस्त लेखक बिरादरी का अपयश हो जाएगा। महाजन को जब ये बात मालूम हुई तो भारतेन्दु की सत्यनिष्ठा से वो बहुत प्रभावित हुआ और उसने अपना केस वापिस ले लिया।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

वे सब के अधिष्ठान और सबके आश्रय हैं। वे अद्वितीय रूप, अनुभव स्वरूप और आनन्दघन हैं।

24. भृंगी कीट- जैसे भृंगी एक कीड़े को ले जाकर, दीवाल पर अपने रहने की जगह, कीड़े को बंद कर देता है और वह कीड़ा भय से उसी का चिंतन करते-करते अपने पहले शरीर का त्याग किए बिना ही उसी शरीर से तद्रूप हो जाता है यानि भृंगी के आकार का हो जाता है, वैसे ही यदि प्राणी स्नेह से द्वेष से अथवा भय से ही जान-बूझकर एकाग्ररूप से अपना मन किसी में लगा दे तो उसे उसी वस्तु का स्वरूप प्राप्त हो जाता है। इसलिए मनुष्य को अन्य वस्तु का चिंतन न करके केवल परमात्मा का ही चिंतन करना चाहिए। ब्रह्मवेत्ता दत्तात्रेय जी का कहना है, यह मनुष्य शरीर भी गुरु ही है, क्योंकि इसी से विवेक और वैराग्य की शिक्षा मिलती है। इस शरीर से तत्व विचार करने में सहायता मिलती है। किंतु यह शरीर अनित्य है इसलिए इससे हमेशा असंग ही रहना चाहिए। शरीर में विशेष आसक्ति के कारण जीव अनेक दुःख भोगता है, जन्म-मृत्यु के चक्कर में पड़ता है। सब जीव धारियों में मनुष्य शरीर ही श्रेष्ठ है इससे परम परुषार्थ की प्राप्ति होती है। इसलिए अनेक जन्मों के बाद यह अत्यंत दुर्लभ मनुष्य शरीर पाकर बुद्धिमान पुरुष को चाहिए कि शीघ्र से शीघ्र मृत्यु से पहले मोक्ष प्राप्ति का प्रयत्न कर ले। **क्रमशः**

ओपिनियन

E20 लक्ष्य समय से पहले हासिल, पर उठे सवाल : फूड बनाम फ्यूल की बहस तेज

ई20 ईंधन देश की 2070 तक विशुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने तथा आयातित कच्चे तेल पर देश की निर्भरता कम करने की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के अनुरूप

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

इस वर्ष मोटर वाहनों के ईंधन में 20 फीसदी एथनॉल मिलाने (ई20 ईंधन) का लक्ष्य निर्धारित समय से पांच साल पहले हासिल करने की घोषणा की गई है। इसे आगे बढ़ाकर ई27 तक ले जाने का इरादा जाहिर किया गया है जो स्वागतयोग्य है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब भारत के ताप बिजली घरों के कारण ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ रहा है और शहरों में प्रदूषण की समस्या एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य संकट में तब्दील होती जा रही है। ई20 ईंधन देश की 2070 तक विशुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने तथा आयातित कच्चे तेल पर देश की निर्भरता कम करने की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि एथनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2014-15 में जब एथनॉल मिश्रण केवल 1.5 फीसदी था, से लेकर 2024-25 तक सरकारी तेल कंपनियों ने 1,44,087 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा बचाई है। यह करीब 2,45,000 टन कच्चे तेल के बराबर है ?और इससे अनुमानतः इतने कार्बन डाईऑक्साइड की बचत हुई जो शायद 30 करोड़ वृक्ष लगाने से बचता।

नीति आयोग के एक अध्ययन के अनुसार, जीवन-चक्र उत्सर्जन के आधार पर गन्ना और मक्के से बने एथनॉल से होने वाला ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पेट्रोल की तुलना में क्रमशः 65 फीसदी और 50 फीसदी कम हैं। एथनॉल उत्पादन किसानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है, क्योंकि यह मक्का, गन्ना और धान की पराली के लिए एक स्थायी बाजार उपलब्ध कराता है। इस उपलब्धि के साथ भारत अब ब्राजील, अमेरिका और यूरोप जैसे विशिष्ट देशों के समूह में शामिल हो गया है, जो पेट्रोल में एथनॉल का मिश्रण करते हैं।

उपभोक्ताओं के नजरिये से देखें तो इस बदलाव का बेहतर प्रबंधन किया जाना चाहिए था। हालांकि ई20 चुनिंदा पंपों पर ही उपलब्ध था लेकिन अब यह देश के करीब 90,000 पंपों पर इकलौता विकल्प है। आश्चर्य नहीं है कि माइलेज और एक्सिलरेशन पर ई20 के प्रभाव को लेकर बहुत बड़े पैमाने पर असमंजस के हालात बन गए हैं। यूरोप और अमेरिका में वाहन चालकों को यह विकल्प दिया गया है कि वे अपने वाहन की उम्र के मुताबिक ई10, ई15 या ई20 ईंधन डलवाएं। 2020 में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ने कहा कि ई20 के साथ ई10 ईंधन का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि वाहनों का बेहतरीन प्रदर्शन सुनिश्चित हो सके। उसने कहा कि रबर के हिस्से या गास्केट आदि को बदलना एक बड़ा काम होगा। भारत में अधिकांश कार इंजनों को ई10 ईंधन के लिए तैयार किया जाता है। केवल एक अप्रैल 2025 के बाद बने इंजन ही ई20 ईंधन के लिए बने हैं। वाहन निर्माताओं ने पहले यह संकेत दिया था कि वाहनों के प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। अब लगता है कि उन्होंने सरकार के नजरिये को स्वीकार कर लिया है और वे उपभोक्ताओं को आवश्स्त कर रही हैं कि वाहनों के प्रदर्शन पर पड़ने वाला असर बहुत मामूली है। उद्योग जगत के विचारों में यह भिन्नता शायद ही चिंताओं को दूर कर सके।

लंबी अवधि में भले ही हवा की गुणवत्ता या किसानों की आय के रूप में जैव ईंधन के व्यापक लाभ तात्कालिक परिवर्तन की कीमत पर भारी पड़ें लेकिन इस नीति से अनचाहे परिणाम भी जुड़े हुए हैं। इनमें से एक है खाद्यान्न बनाम ईंधन की बहस क्योंकि किसानों को जैव ईंधन संबंधी फसलें उगाने पर खाद्यान्न फसलों की तुलना में बेहतर आय हासिल हो रही है।

लंबी अवधि में भले ही हवा की गुणवत्ता या किसानों की आय के रूप में जैव ईंधन के व्यापक लाभ तात्कालिक परिवर्तन की कीमत पर भारी पड़ें लेकिन इस नीति से अनचाहे परिणाम भी जुड़े हुए हैं। इनमें से एक है खाद्यान्न बनाम ईंधन की बहस क्योंकि किसानों को जैव ईंधन संबंधी फसलें उगाने पर खाद्यान्न फसलों की तुलना में बेहतर आय हासिल हो रही है। उदाहरण के लिए मक्के की कीमतें जैव ईंधन की मांग बढ़ने के साथ ही दो सालों में 1,800 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,500 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। इससे किसानों की आय तो बढ़ी है लेकिन पोल्ट्री और पालतु पशुओं के खाद्यान्न पर इसका विपरीत असर हुआ है। मक्के के उत्पादन का 70 फीसदी इसी पशु आहार में जाता है। इसके अलावा मोटे अनाज तथा तिलहन की खेती की जमीन में अब मक्का उगाया जा रहा है।

इसके अलावा अन्य जैव ईंधन वाली फसलों यानी चावल और गन्ने की खेती मौसम के लिहाज से बहुत संवेदनशील होती है। पंजाब, हरियाणा तथा महाराष्ट्र में उनका रकबा बढ़ने का देश की जल सुरक्षा पर बुरा असर हो सकता है। इन प्रतिस्पर्धी मांगों का प्रबंधन करना होगा तथा सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि खाद्य और जल सुरक्षा की कीमत पर ईंधन सुरक्षा न हो।

पंचांग

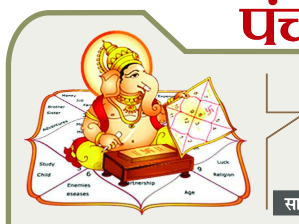

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 17/09/2025

सूर्योदय : 06:16 **सूर्यास्त** : 18:25 **चन्द्रोदय** : 01:38 **चन्द्रास्त** : 15:54 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **विक्रम सम्वत** : 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना** : भाद्रपद **पूर्णिमांत** : आश्विन **सूर्य राशि** : कन्या **चन्द्र राशि** : कर्क **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : एकादशी, 23:42 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : शरद **द्रिक-वैदिक अयन** : दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पुनर्वसु, 06:23 तक
योग : परिघा, 22:50 तक
प्रथम करण : बावा, 12:00 तक
द्वितिय करण : बालवा, 23:42 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:33 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:57 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:18 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:24 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:24 पी एम से
अमृत काल	12:6 एएम, सितम्बर 18 से
निशिता मुहूर्त	11:52 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : राहु
कुंभ चक्रः तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:16 - 07:47	उद्वेग : 18:24 - 19:53
अमृत	: 07:47 - 09:18	शुभ : 19:53 - 21:22
काल काल वेला	: 09:18 - 10:49	अमृत : 21:22 - 22:51
शुभ	: 10:49 - 12:20	चर : 22:51 - 00:20
रोग वार वेला	: 12:20 - 13:51	रोग : 00:20 - 01:49
उद्वेग	: 13:51 - 15:22	काल : 01:49 - 03:18
चर	: 15:22 - 16:53	लाभ : 03:18 - 04:47
लाभ	: 16:53 - 18:24	उद्वेग : 04:47 - 06:16

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज एकादशी

आज कौन सा कार्य करें

एकादशी : व्रत, उपवास, धार्मिक कृत्य, देवोत्सव, उद्यापन तथा कथा एकादशी में शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, कृष्ण, एकादशी, 2082 बुधवार, 17 सितम्बर - 23 सितम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं। मित्रों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

बायकॉन-2025 : शिक्षा, उद्योग, पर्यावरण और वैश्विक सहयोग से सतत भविष्य निर्माण पर मंथन

शिक्षा, मिशन भावना और निरंतरता से ही संभव है समाज निर्माण : डॉ. बियानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज और राजस्थान विश्वविद्यालय के पोद्दार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय 20 वीं इंडो-जापान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'बायकॉन 2025' का तीसरा दिन सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।

तीसरे दिन ह्यूमेनिटीज़ और एजुकेशन विभाग का विषय "शेपिंग सस्टेनेबल फ्यूचरः यूनाइटिंग ग्लोबल इंडस्ट्री एंड एकेडेमिया अक्रॉस डाइवर्स डिसिप्लिन्स"। रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत बीकॉन-2025 की 20वीं वर्षगांठ संस्करण की झलकियों से हुई। दीप प्रज्वलन और कृष्ण वंदना के बाद गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. भारती शर्मा, सहायक प्रोफेसर, बियानी बी.एड. कॉलेज ने की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अविनाश गहलोत, (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री) , विशेष अतिथि डॉ. कृष्णकांत पाठक (आईएएस), सचिव (कार्मिक विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग), डॉ. गौरी शंकर गुप्ता (भारतीय विदेश सेवा अधिकारी), प्रो. दीपा पी. माथुर (अंग्रेजी विभागाध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय) , प्रो. ग्रीष्मा शुक्ला (शिक्षा विद्यालय जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय), प्रो. मृदुला शर्मा मनोविज्ञान विभाग, मेरठ विश्वविद्यालय, डॉ. मुदिता पोपली (डीडी न्यूज़, नई दिल्ली), प्रो. सोनिया कौर बंसल (पूर्णिमा विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग), डॉ. सुलेखा ओझा (आईआईएस विश्वविद्यालय में फैशन एवं वस्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष), डॉ. राजेंद्र प्रसाद (एसोसिएट प्रोफेसर, चित्रकला एवं चित्रकला विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय) प्रमुख रूप से शामिल रहे। मुख्य वक्ताओं में जापान के प्रतिनिधि क्वांसी गाकुइन विश्वविद्यालय से प्रो. हिरोहिसा तनाका भी रहे।

आयोजक बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी, रिसर्च एंड डेवलपमेंट निदेशक डॉ. मनीष बियानी, असिस्टेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी, असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ राधिका बियानी, प्रिंसिपल व डीन डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल द्वारा सभी गणमान्य अतिथियों का बुके, शॉल और मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया।

चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि एजुकेशन एक ऐसा हथियार है जो आपके पास हमेशा रहेगा। और यह आपके तब काम आएगा जब आपके साथ कोई नहीं होगा। इसी से हम सभी समाज का निर्माण कर सकते है। साथ ही उन्होंने सभी टास्क को मिशन बनाने और एक्शन की तरह लेकर कंसिस्टेंसी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इसी के साथ उन्होंने सभी गणमान्य अतिथियों, टीचर्स, स्टूडेंट्स और जापान से सभी अतिथियों और विद्यार्थियों को उनके कीमती समय के लिए धन्यवाद दिया। विशेष अतिथि डॉ. कृष्णकांत पाठक (आईएएस) ने कहा कि छात्र अध्ययन और उद्यम दोनों से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि संस्कृत एक जटिल भाषा है जिससे हिंदी, अंग्रेज़ी और फ़ारसी जैसी भाषाएँ जुड़ी हैं। दुनिया में दो धर्म हैं- एवोल्यूशनरी और रिवोल्यूशनरी। ज्ञान अनंत है; श्रेष्ठ छात्र वही है जिसके भीतर शिक्षक हो और श्रेष्ठ शिक्षक वह है जो जीवनभर छात्र बना रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा पद्धति पर प्रश्न उठाना ज़रूरी है। स्किल सिखाई जाती है जबकि एंटरप्राइज जन्मजात होता है, और ज्ञान हर किसी के लिए उपलब्ध है, बस उसे स्वयं खोजना होता है। डॉ. गौरी शंकर ने बियानी व पोद्दार कॉलेज को बायकॉन आयोजन की बधाई देते हुए पंचतत्वों की महत्ता, प्रदूषण, जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हम प्रकृति पर निर्भर हैं लेकिन अति-दोहन से उसे नष्ट कर रहे हैं। सस्टेनेबल डेवेलपमेंट पर जोर देते हुए उन्होंने सभी को प्रकृति बचाकर बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. हिरोहिसा तनाका ने कहा कि जापान क्लीन एक्ट के तहत बच्चों की मुस्कान और स्वास्थ्य को सुरक्षित रखना लक्ष्य है। यह पहल डॉ. मनीष बियानी, डॉ. स्मृति तिवारी और प्रो. तनाका द्वारा नेतृत्वित है और वैश्विक उद्योग व अकादमिक जगत को एकजुट कर सतत भविष्य निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ.राधिका बियानी डागा ने सभी गणमान्य अतिथियों, टीचर्स, स्टूडेंट्स और जापान से सभी अतिथियों और विद्यार्थियों को उनके कीमती समय के लिए धन्यवाद दिया।

भगवानदास डूलानी अध्यक्ष निर्वाचित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पूज्य सिंधी पंचायत संस्था, सेक्टर-2, मालवीय नगर के अध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव में कुल 234 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। जिसमें भगवानदास डूलानी को 175 और दिलीप पारवानी को 53 वोट मिले। वहीं 6 वोट निरस्त माने गये। इस प्रकार भगवानदास डूलानी 122 वोटों से विजयी घोषित हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी नवल किशोर गुरनानी और चुनाव अधिकारी देवेन्द्र परनानी ने चुनाव परिणाम की घोषणा की। इस अवसर पर सेन्ट्रल पंचायत पर्यवेक्षक के रूप में पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश असरानी और छबलदास नवलानी भी मौजूद रहे।

कुलदीप अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष समागम में सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। वैदिक ज्योतिषी एवं केपी विशेषज्ञ इंजीनियर कुलदीप शर्मा को अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष समागम के अवसर पर प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित यूसी मिश्रा, चेयरमैन एआईएफ फरीदाबाद और डॉ. एचएस रावत द्वारा ज्योतिष के रहस्यों पर दिए गए उनके व्याख्यान के लिए सम्मानित किया गया। शर्मा ने होटल आकाश, फरीदाबाद में कृष्णमूर्ति पद्धति के उप-चंद्र संबंध सिद्धांत के माध्यम से जन्म समय को कैसे बेहतर बनाया जाए, इस पर अपना बहुमूल्य व्याख्यान दिया।

उत्साह, उमंग से मनाया जन्मोत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रदेश संरक्षक गोपाल शर्मा का जन्मदिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष भुवनेश शर्मा के अलावा सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने शर्मा के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर समाजसेवा की मंगलकामना के साथ शुभकामनाएँ दी।

हिन्दू संस्कृति अनुरूप मनाया जन्मोत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। वरिष्ठ पत्रकार महेन्द्र भोमिया (गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा समन्वयक) का 46वां जन्मदिन उनके निवास पर जय हिन्द शुभकामना ग्रुप ने हिंदू संस्कृति के अनुरूप दीप दान के साथ गायत्री मन्त्र से यज्ञ आहुतियां, मृत्युनंजय महामन्त्र से स्वास्थ्य परिवार के साथ दीर्घायु के आशीर्वादो के साथ पुष्प वर्षा करके मनाया गया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक लोकचंद हरिरामानी (मेहरदास मन्दिर ट्रस्ट अध्यक्ष) ने बताया की ऐसे कार्यक्रम का उदेद्श्य आने वाली पीढ़ी को संस्कृति से रूबरू करवाना है। इस अवसर पर समाजसेवी नगेन्द्र वशिष्ठ भी उपस्थित थे।

विज़डम आइकॉन अवार्ड्स 2025

शिक्षा, नवाचार और सामाजिक सरोकारों का उत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इकोफ्यूजन और एमप्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विज़डम आइकॉन अवार्ड्स 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देशभर से वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों, डीन, स्कूल प्रिंसिपल्स और स्कूल कोऑर्डिनेटर्स ने भाग लिया। विशेष रूप से 100 से अधिक स्कूलों के प्रिंसिपल्स ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे प्रोफेसर रूही दहिया, डॉक्टर यदु शर्मा, प्रोफेसर अनिल धवन, डॉक्टर प्रवीण गोस्वामी, डॉक्टर सत्येंद्र, डॉक्टर सुधांशु और डॉक्टर राजेश यादव (डीन, सुबोध कॉलेज), जिन्होंने विजेताओं को सम्मानित किया। सीपीआर जैसी जीवनरक्षक तकनीकों पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में वीएलसीसी नेहा अग्रवाल, नीता अग्रवाल, एमप्रेस क्लब की खुशबू, रामासकृति से मोहित टेलर, इकोफ्यूजन की फाउंडर डॉ. पूनम धवन, मुख्य अतिथि शताब्दी अवस्थी तथा ऑस्ट्रिच ग्लोबल स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. प्रवीण मीणा भी उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मधु भट्ट की soulful सिंगिंग प्रस्तुति, आरोहि टिंकर और शिवानी के मनमोहक परफॉर्मेंस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया और उपस्थित लोगों ने विचार-विमर्श के माध्यम से आपसी जुड़ाव को और मजबूत किया। कार्यक्रम में 11 विशेष अवार्ड कैटेगरी प्रदान की गई, जिनमें ङ्क फ्यूचर एक्सीलेंस अवार्ड, इनोवेटिव अवार्ड, योगा अवार्ड और स्पिरिचुअल अवार्ड प्रमुख रहे। विज़डम आइकॉन अवार्ड्स 2025 ने न केवल उत्कृष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया बल्कि शिक्षा, नवाचार और सामाजिक जुड़ाव को भी नई दिशा प्रदान की।

"एक पेड़ माँ के नाम 2.0"

शिक्षा विभाग 4.15 करोड़ पौधारोपण कर रहा प्रथम

विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना का हो रहा विकास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. अमृता कटारा
एपीआरओ
@jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की रेतिली धरती को हरी चादर ओढ़ाने का संकल्प लिए हरियालो राजस्थान अभियान अब एक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। यह सिर्फ पौधारोपण तक सीमित नहीं, बल्कि हरियाली के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत है।" मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाने के ऐतिहासिक लक्ष्य को हासिल करने के बाद अब अब लक्ष्य रखा है कि आने वाले वर्षों में पौधारोपण को और अधिक संगठित और वैज्ञानिक ढंग से किया जाए। इसके तहत पौधों की जियो-टैगिंग, नमी संरक्षण के लिए गड्ढों में जल संरचना और ड्रिप इरिगेशन जैसी तकनीक अपनाई जा रही है । स्कूल, कॉलेजों और पंचायत स्तर तक पौधारोपण को उत्सव की तरह मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हरियालो राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य में शिक्षा विभाग द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा पौधारोपण लक्ष्यों की प्राप्ति में 4.15 करोड़ पौधारोपण कर प्रथम स्थान हासिल किया गया है। राज्य में शिक्षा विभाग विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें सामाजिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्वों से जोड़ने हेतु प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में "एक पेड़ माँ के नाम 2.0" अभियान शिक्षा विभाग के मंत्री श्री मदन दिलावर के नेतृत्व में पूरे राज्य में प्रारम्भ किया गया। यह पहल शिक्षा और पर्यावरण को साथ लाकर भविष्य की पीढ़ी को संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई।

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य पार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना है कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत कि इस साल हमारा 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था और सभी के सामूहिक प्रयासों से हमने इस लक्ष्य को पार कर लिया है और अब तक 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा काल अभी चल रहा है, ऐसे में विभाग इस अभियान के तहत लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। श्री शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत आमजन से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की अपील की।

राज्य सरकार के प्रयासों के साथ-साथ आमजन की भागीदारी को अभियान का सबसे बड़ा आधार बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार ने अब अगले पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इसके लिए पौधारोपण को संगठित, तकनीकी और दीर्घकालिक स्वरूप देने पर जोर है। विद्यालयों के साथ महिलाओं के स्वयं सहायता समूह, युवा संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएँ और उद्योग जगत भी इस पहल से जुड़ रहे हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ मानते हैं कि राजस्थान जैसे मरुस्थलीय प्रदेश में वृक्ष ही जीवनरेखा हैं। इनसे न सिर्फ मिट्टी का कटाव रुकेगा बल्कि भूमिगत जलस्तर भी सुधरेगा। साथ ही यह जैव-विविधता और वन्यजीव संरक्षण में भी अहम योगदान देंगे। हरियालो राजस्थान अभियान से प्रदेश को आर्थिक मजबूती भी मिलेगी। पौधों से होने वाले औषधीय, औद्योगिक और फल-फूल उत्पादन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इससे रोजगार सृजन भी होगा और ग्रामीण क्षेत्र आत्मनिर्भर बनेंगे।

(लेखक डीआईपीआर में सहायक जनसंपर्क अधिकारी पद पर कार्यरत है।)

विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना का हो रहा विकास

स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने इस अवसर पर सभी अध्यापक एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि "हरियालो राजस्थान" केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और भविष्य से किया गया वादा है। जिस प्रकार 4.15 करोड़ पौधारोपण का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल हुआ है, उसी तरह यदि हर नागरिक एक पौधे को जीवनभर संजोने का संकल्प ले, तो राजस्थान निश्चित ही हरियाली की नई मिसाल बनेगा। उन्होंने अपील कर कहा कि हम सब मिलकर यह प्रण लें ङ्क एक पेड़ मां के नाम, एक पेड़ आने वाली पीढ़ी के नाम लगाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत न केवल विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना का विकास होगा बल्कि शिक्षा विभाग और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से राजस्थान में हरित आवरण में भी वृद्धि होगी, वहीं तकनीक आधारित पारदर्शी रिपोर्टिंग और सामुदायिक भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। गौरतलब है कि इस अभियान के तहत सभी पौधों को जिओ टैगिंग के माध्यम से हरियालो राजस्थान ऐप पर दर्ज किया जा रहा है ताकि पौधरोपण के साथ पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में भी सतत प्रयास किये जा सकें साथ ही ब्लॉक एवं जिला स्तर पर आंकड़ों की पारदर्शिता का भी विशेष ध्यान रखा गया है। प्रत्येक स्कूल की अभियान से जुड़ी गतिविधियों की रिपोर्टिंग शाला दर्पण एप के माध्यम से की जा रही है।वहीं विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालय स्तर की भागीदारी को सुनिश्चित कर विद्यालय-वार पौधारोपण प्रगति की डिजिटल ट्रैकिंग भी निरंतर की जा रही है। "एक पेड़ माँ के नाम 2.0" के तहत शिक्षा विभाग द्वारा पौधरोपण ऐसी पहल है, जो शिक्षा को केवल कक्षा तक सीमित नहीं रखती, बल्कि प्रकृति और समाज से भी जोड़ती है। अभियान के तहत विद्यालयों, विद्यार्थियों और अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और राजस्थान को "हरित राजस्थान" बनाने में योगदान दें।

विधानसभा के रेस्ट रूम में सीसीटीवी कैमरे लगाने के फैसले के खिलाफ कांग्रेस अभाव अभियोग प्रकोष्ठ ने किया विरोध प्रदर्शन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विधानसभा के रेस्ट रूम में सीसीटीवी कैमरे लगाने के फैसले के खिलाफ राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अभाव अभियोग प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष योगिता पंकज काकू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गांधी सर्किल पर विरोध-प्रदर्शन किया और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का पुतला फूंका। इस विरोध प्रदर्शन में प्रकोष्ठ के धन सिंह नरुका, विजय सिंह राघव, धर्मेंद्र शर्मा बैनाड़ा, बनवारी लाल, मोनू शर्मा, प्रदीप मीणा, राजेश शर्मा, रामजी लाल शर्मा बगड़ा, लेखराज पाल, सवाई सिंह राठौड़, महेश धाकड़, और सुरेन्द्र सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अठावले ने दी आरपीआई प्रदेश अध्यक्ष की पत्नी को श्रद्धांजलि

जयपुर @ जागरूक जनता। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इण्डिया (आठवले) राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राधा मोहन सैनी की धर्मपत्नी एवं ओम गोविन्द परमार्थ सेवा संस्थान की प्रेरणा स्त्रोत स्व. विजय लक्ष्मी सैनी की श्रद्धांजली सभा में शामिल होने के लिए रामदास आठवले, (केन्द्रीय राज्यमंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार) जयपुर पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष सैनी जी के निवास स्थान पर आयोजित श्रद्धांजली सभा में अठावले ने स्वर्गीय आत्मा को पुष्पांजली अर्पित कर परिवारजनों कों ढांढस बंधाया।

120 फीट रोड के निर्माण कार्य पर उपमुख्यमंत्री का जताया आभार

जयपुर @ जागरूक जनता। सचिवालय में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी से मिलकर विद्याधर नगर स्थित जे.पी. कॉलोनी की मुख्य सड़क को 120 फिट कर निर्माण कार्य शुरू करवाने के लिए धन्यवाद पत्र किया। इस अवसर पर पार्षद रूप कंवर, वार्ड अध्यक्ष मनोज शर्मा युवा मोर्चा, अध्यक्ष वार्ड नंबर 24 सतीश कुमार जागा के अलावा समाजसेवी हरीओम चोहान, महावीर जागा और अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा यहां स्थित 16 नंबर स्टैंड पर भारत माता सर्किल के प्रस्ताव को मंजूरी हेतु मांग पत्र भी उपमुख्यमंत्री को दिया।

विमला सेठिया को विदाई, 25 वर्षों में 37 हज़ार से अधिक फैसलों में सहभागिता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। स्थायी लोक अदालत सदस्य विमला सेठिया का कार्यकाल पूर्ण होने पर न्यायालय परिसर में सादे लेकिन प्रभावी समारोह में गरिमामयी विदाई दी गई। अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शर्मा, सचिव सुनील कुमार गोयल, सदस्य प्रदीप काबरा व अर्बन बैंक चेयरमैन डॉ. आई.एम. सेठिया सहित गणमान्यों ने सेठिया के न्यायिक योगदान की सराहना की। विमला सेठिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि उपभोक्ता मंच, राज्य आयोग, किशोर न्याय बोर्ड व लोक अदालत के दो कार्यकालों सहित 25 साल से अधिक की सेवा में 37,000 से अधिक फैसलों में सहभागिता निभाना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि न्यायिक कार्य से उन्हें सदैव आत्मिक शांति मिली और विवाह पश्चात रूढ़िवादी परंपराओं से निकलकर महिला सशक्तिकरण को सार्थक करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में पारिवारिक सदस्य, स्टाफ व गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर सेठिया का जन्मदिन भी मनाया गया। विदाई के पश्चात उन्होंने जैन संत धर्म मुनि, चिराग मुनि, केशव मुनि व चंद्रेश मुनि से आशीर्वाद लिया।

'भूखे को भोजन प्यासे को पानी', 365 दिन चलता है भोजन प्रसादी कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सीकर रोड किष्किंधा हनुमान मंदिर केडिया पैलेस चौराहा पर संत श्री मेहर दास मंदिर ट्रस्ट द्वारा सभी भक्तजनों को सायं काल का नाश्ता प्रसाद वितरण किया जाता है, जिसमें सैकड़ो लोग लाभ लेते है। मुख्य संयोजक ट्रस्टि लाल आर साधवानी ने बताया की ट्रस्ट का मुख्य उदेश्य है की कोई भी भूखा ना सोये। जैसा की संत मैहर दास बाबा की भावना थी, 'भूखे को भोजन प्यासे को पानी' यही थी संत मैहर दास बाबा की वाणी। ट्रस्ट द्वारा वर्ष के 365 दिन मन्दिर परिसर में सभी जरुरतमंदो को बैठा कर भरपूर भोजन प्रसादी नियमित 5 वर्षों से चल रही है। ट्रस्ट अध्यक्ष लोक चन्द हरिरामानी द्वारा ट्रस्ट के सभी कार्यक्रमों को व्यवस्थित संचालित कर रहे हैं।

जे.के. सीमेंट वर्क्स, निम्बाहेड़ा व मांगरोल प्लान्ट एवं आर.एस.पी.सी.बी चित्तोडगढ़ टीम ने मनाया ओज़ोन दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। विश्व ओज़ोन दिवस के अवसर पर जे. के. सीमेंट वर्क्स, निम्बाहेड़ा व मांगरोल प्लान्ट, आर. एस. पी. सी. बी चित्तोडगढ़ और सी एस आर टीम के सहयोग से फाचर अहीरान और अरनिया जोशी ग्राम पंचायतों के राजकीय उच्च माध्यमिक विध्यालय मे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जे. के. सीमेंट के यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल और एचआर हेड प्रभाकर मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को रोचक और सार्थक तरीक़े से जोड़ते हुए उन्हें ओज़ोन परत के महत्व के बारे में जागरूक करना था। इस दौरान जागरूकता सत्र, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। उनके उत्तरों से यह स्पष्ट हुआ कि वे पर्यावरणीय विषयों और ओज़ोन संरक्षण की आवश्यकता को समझते हैं। पोस्टर, निबंध लेखन तथा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता मे प्रथम द्वातीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र छात्राओ को पुरस्कार एवं आर एस पी सी बी चित्तोडगढ़ द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रशस्ति पत्र वितरण के साथ आनंदमय सहभागिता सत्र से समापन हुआ। अंत में छात्रों को पौधे उपहार स्वरूप प्रदान किए गए, जो पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह कार्यक्रम न केवल जागरूकता फैलाने में सफल रहा बल्कि बच्चों को पर्यावरण की रक्षा के लिए छोटे-छोटे मगर महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए प्रेरित भी किया। इस अवसर पर जे के सीमेंट के खनन विभाग के वरिष्ठ प्रबन्धक योगेश दशोरा, प्रबन्धक राजेश रवि, पर्यावरण विभाग के प्रमुख अजय शर्मा, प्रबन्धक माधुरी, गीतिका, सी एस आर प्रमुख राहुल कुमार एच आर टीम से लोकेश व आयुष आदि उपस्थित थे।

प्रमुख शासन सचिव ने की सहकार सदस्यता अभियान की तैयारियों की समीक्षा

2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेश भर में चलेगा अभियान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सहकारिता विभाग द्वारा आगामी 2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेश भर में सहकार सदस्यता अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए विभाग द्वारा वृहद् स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने मंगलवार को वीसी के माध्यम से आयोजित बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों का आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राजपाल ने कहा कि अभियान को सफल बनाने तथा आशानुरूप परिणाम प्राप्त करने के लिए अभियान पूर्व तैयारियां निर्धारित समय में एवं निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सुनिश्चित करनी होंगी। उन्होंने तैयारियों की खण्डवार समीक्षा करते हुए इसमें गति लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि यह अभियान राज्य में सहकारिता का विस्तार करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर होगा। अभियान के अंतर्गत प्रमुख रूप से पांच गतिविधियां सम्पादित की जाएंगी, जिनमें नवीन पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव व सदस्यता राशि प्राप्त करना तथा स्वीकृति जारी करना, प्रस्तावित नये सहकारिता कानून के प्रावधानों की जानकारी देना, पैक्स/डेयरी सहकारी समितियों में युवाओं व महिलाओं के लिए विशेष सदस्यता अभियान चलाना, पीएम किसान योजना के अंतर्गत लम्बित आवेदनों की ई-केवाईसी व आधार सीडिंग कराकर इनका निस्तारण करना तथा नवीन गोदामों के लिए आवश्यकता के अनुरूप जमीन चिह्नीकरण किया जाना शामिल हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान में अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए सबकी भागीदारी और जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हुए पूरी सक्रियता से प्रयास किये जाएं। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि अभियान के संबंध में जिलेवार लक्ष्य निर्धारित कर अवगत करवाया जा चुका है। अभियान की अवधि सीमित होने के कारण समय पर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, जिससे अभियान के दौरान सुगमता से कार्य सम्पन्न हो।

वीरानी है तो सुनामी जरूर होगी...

पूनम चन्द्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जो जलता है, उसे जलने दे
वहम न पाल उसे बुझाने की
बुझने के बाद भी
आग उसमें सुलगती होगी
****
गुनाहों पे उसके लाख पर्दा डाल दे
जुर्म के निशां भी मिटा दे
वहम न पाल इस अदालत का
उस अदालत में सजा जरूर होगी
****
उसके बंद हैं लब और आंखें भी
तूफानी इरादों को भी रोक दे
वहम न पाल आवाज दबाने की
वीरानी है तो सुनामी जरूर होगी
****
चाहे कर ले कितना भी
जुल्मोसितम
वहम न पाल म्यान में है शमशीर
सब बैठे हैं बारूद के ढेर पे
टकराए तो चिंगारी जरूर होगी

जानलेवा हमले में विधायक जीनगर के खिलाफ मामला दर्ज

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पीड़ित की शिकायत पर मंगलवार को पुलिस ने विधायक अर्जुनलाल जीनगर समेत अज्ञात लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोराजी का निम्बाहेड़ा के समीप मोटरसाइकिल पर जा रहे सूरज माली नामक युवक पर स्कार्पियो में सवार होकर आए छह बदमाशों ने लाठियों एवं लोहे के सरियों से हमला करके उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। बाद में मौके से सभी बदमाश फरार हो गये। आसपास के लोगों ने पहले घायल को कपासन अस्पताल पहुंचाया जहां से चित्तौड़गढ़ और रात को ही उदयपुर एक निजी अस्पताल भेज दिया गया।

सावधान: इंटरनेट पर छोड़े हर निशान का हिसाब होता है

डिजिटल प्रेजंस हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बनचुकी है। हमारे दन का ज्यादातर समय ऑनलाइन दुनिया में गुजरता है। सोशल मीडिया पर फोटो डालना, दोस्तों से चैटिंग, ऑनलाइन शॉपिंग, गूगल सर्च या किसी वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करना। ये सब सामान्य और सहज लगता है। लेकिन, ये गतिविधियां दरअसल कहीं-न कहीं दर्ज होती है। यही है डिजिटल फुट प्रिंग यानी इंटरनेट पर छोड़े गए हमारे हमारे निशान। कभी-कभी ऐसा देखा गया है कि इन फुटप्रिन्ट्स की मदद से कोई हमें ब्लैकमेल कर सकता है या हम साइबर अपराध का शिकार भी हो सकते हैं। ऐसे खतरों से बचने के लिए पढ़े जागरूक जनता का यह फीचर पेज....

डिजिटल फुटप्रिंट क्या है?

जब भी हम इंटरनेट पर कुछ करते है तो उसका डेटा कही-न-कही सेव हो जाता है। यही डेटा डिजिटल पहचान बनाता है, जिसे डिजिटल फुटप्रिंट कहते है। एक बार इंटरनेट पर हमारे डिजिटल फुटप्रिंट तैयार हो गए तो उन्हें मिटाना मुश्किल होता है। भले ही हम मान लें कि डेटा डिलीट हो गया है लेकिन असल में सब कुछ सर्वर में सेव रहता है और जरूरत पड़ने पर उसे निकाला जा सकता है। इसलिए ऑनलाइन कुछ भी करने से पहले सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए।

क्या-क्या हो सकती हैं दिक्कतें

करियर पर असर: आज कंपनियां सिर्फ डिग्री और रिज्यूमे नही देखती, वे डिजिटल बैकग्राउंड भी खंगालती हैं। गूगल सर्च से लेकर फेसबुक, इंस्टाग्राम, X और लिंक्डइन तक, सब देखा जाता है। पुराने पोस्ट में गाली-गलौज, असंवेदनशील मजाक, महिला विरोधी सोच या धार्मिक कट्टरता झलक गई तो आई हुई नौकरी भी हाथ से निकल सकती है।

रिश्तों पर असर: सोशल मीडिया पर किसी पर किया गया मज़ाक या फिर किसी मामले में किया गया कटाक्ष आगे चलकर हमारी इमेज या रिश्ते खराब कर सकते हैं।

पर्सनल सिक्योरिटी का खतरा: अगर घर से बाहर जाने की जानकारी तस्वीरों या दूसरी चीजो के जरिए साझा करते है तो घर में चोरी जैसे अपराध होने का खतरा हो सकता है।

कानूनी पचड़े: धार्मिक भावनाएं आहत करने वाले पोस्ट, किसी की फोटो का दुरुपयोग या अफवाह फैलाना ये सब क्राइम हैं। पुराना कंटेंट भी किसी दिन हमारे खिलाफ सबूत बन सकता है।

मानसिक दबाव और तनाव: जब पुरानी गलती बार-बार सामने लाई जाती है तो इंसान शर्मिंदगी और तनाव का शिकार होता है। यह मेंटल हेल्थ को गहराई तक प्रभावित कर सकता है।

आर्थिक अपराध: कई लोग अपनी बैंक डिटेल, पासवर्ड या कार्ड की जानकारी सोशल मीडिया पर सेव कर लेते हैं या शेयर कर देते हैं। यह गलती साइबर अपराधियों को मौका दे सकती है।

वीज़ा मिलने में दिक्कत: कई देश वीज़ा अप्लाई करने के दौरान सोशल मीडिया अकाउंट की डिटेल मांगते है। ऐसे में अगर कभी उस देश या उसकी नीतियों के खिलाफ कोई अपमानजनक या विवादित पोस्ट किया है तो यह वीज़ा प्रोसेस को प्रभावित कर सकता है।

अपने डिजिटल फुटप्रिंट ऐसे मिटाएं

पुराने अकाउंट डिलीट करें: हम अलग-अलग वेबसाइट्स, ऐप्स या सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अकाउंट बना लेते हैं और बाद में हमें उनकी जरूरत नही होती। ये हैकर्स की मदद कर सकते है। ऐसे अकाउंट्स को डिलीट करें।

अपनी जानकारी सर्च कर हटाएं: गूगल पर अपना नाम, घर का एड्रेस या मोबाइल नंबर लिखकर सर्च करें। देखें कि हमारे बारे में कौन-कौन सी जानकारी इंटरनेट पर है। ये जानकारी डिलीट करें या उस वेबसाइट को रिपोर्ट करें।

सोशल मीडिया की सफाई: Facebook, Instagram, X, LinkedIn पर कभी ऐसी फोटो या पोस्ट या जानकारी दी हो जो भविष्य में परेशान कर सकती है तो तुरंत डिलीट करें। प्राइवेसी सेटिंग्स चेक करें कि कौन आपकी पोस्ट देख सकता है।

ईमेल से जुड़े अकाउंट्स हटाएं: अपने ईमेल से जुड़े पुराने अकाउंट्स चेक करें। ईमेल इनबॉक्स में जाकर 'Welcome' या 'Verify' शब्दों से सर्च करें। इससे पता चलेगा किन साइट्स पर अकाउंट हैं। जहां जरूरत नही वहां से अकाउंट डिलीट करें।

सर्च हिस्ट्री में झांके: अपने ब्राउज़र की हिस्ट्री, कुकीज और कैश साफ करें। Chrome या Firefox में ऐसे एक्सटेंशन लगाएं जो कुकीज अपने-आप मिटा दें। मोबाइल में गैरजरूरी ऐप्स डिलीट करते रहें और बाकी से लोकेशन, कैमरा, माइक का एक्सेस हटा दें।

हिस्ट्री हटाने के लिए : myactivity.google.com पर जाएं। यहां सर्च, यूट्यूब और लोकेशन हिस्ट्री दिखेगी। ऊपर से Delete चुनें और चाहें तो Auto-delete ऑन कर दें।

लोकेशन हिस्ट्री मिटाएं: मोबाइल में गूगल मैप्स खोलें, अपनी प्रोफाइल पिक्चर पर टैप करें। Your Timeline में जाएं, ऊपर 3 डॉट्स पर क्लिक करें। Location & privacy settings में जाकर Delete all Timeline data पर टैप करें। इसे डिलीट करें।

यूट्यूब हिस्ट्री डिलीट करें: यूट्यूब ऐप खोलें और अपनी प्रोफाइल पिक्चर पर टैप करें। अब Settings में जाकर Manage all history चुनें। यहां से आप अपनी विडियो वॉच हिस्ट्री और सर्च हिस्ट्री आसानी से डिलीट कर सकते हैं। चाहें तो Auto-delete ऑन कर सकते हैं।

फैक्ट्री रीसेट: पुराना मोबाइल या लैपटॉप बेचने से पहले फैक्ट्री रीसेट करें। सिर्फ फाइलें डिलीट करना सेफ नही होता क्योंकि वे रिकवर हो सकती हैं। रीसेट से पहले बैकअप जरूर लें। मोबाइल से Google/Apple अकाउंट और SIM कार्ड हटाएं।

न करें ये गलतियां...

पर्सनल चीजें शेयर करना: सोशल मीडिया पर प्रोफाइल, फोटो, फ्रेंड लिस्ट, जन्मतिथि, शहर, ईमेल और मोबाइल नंबर पब्लिक न रखें। साइबर अपराधी इन डिटेल्स से फर्जी अकाउंट बना सकते हैं।

आसान पासवर्ड: साइबर अपराधी आसान पासवर्ड को आसानी से तोड़ लेते हैं। जन्मतिथि, मोबाइल नंबर या '123456' जैसा कोई भी कॉमन पासवर्ड न रखें।

अनसेफ साइट से शॉपिंग: लुभावने ऑफर्स में अनसेफ साइट से शॉपिंग न करें। हमेशा https:// से शुरू होने वाली सुरक्षित साइट पर ही खरीदारी करें।

डिटेल्स ऑटो फिल रखना: खरीदारी के लिए हम किसी वेबसाइट पर अपने क्रेडिट या डेबिट कार्ड की डिटेल्स ऑटो फिल करके रखते हैं, यह गलत है।

पासवर्ड सेव रखना: अपने वॉट्सऐप के इनबॉक्स में या कंप्यूटर या ईमेल में पासवर्ड लिखकर न रखें। फोन या कंप्यूटर हैक हुआ तो साइबर फ्रॉड हो सकती है।

अनजान वेबसाइट पर क्लिक: ऑफर के लालच में संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। ये लिंक फेक वेबसाइट पर ले जाकर हमारी बैंक डिटेल चुरा सकते हैं।

लोकेशन ऑन रखना: घर या ऑफिस की सही लोकेशन, बच्चों के स्कूल का रूटीन या ट्रैवल की लाइव डिटेल सोशल मीडिया पर शेयर न करें।

कमेंट में आए लिंक से लॉगिन: DM या कमेंट में आए शॉर्ट लिंक फेक हो सकते हैं। वहां डाली गई ID-पासवर्ड की जानकारी सीधे ठगों के पास पहुंच जाती है।

अनजान की फ्रेंड रिक्वेस्ट: फेसबुक पर रिक्वेस्ट एक्सेप्ट करने से पहले वह ID और उसके पुराने पोस्ट देखें और जांच लें। गलत लोगों से दोस्ती खतरनाक है।

फेक न्यूज पर भरोसा करना: कोई भी खबर शेयर करने से पहले विश्वसनीयता चेक करें। सिर्फ हेडलाइन पढ़कर भरोसा न करें। एक बार क्रॉस-चेक जरूर करें।

पब्लिक Wi-Fi पर भरोसा: कैफे, होटल या रेलवे स्टेशन पर मिलने वाले फ्री Wi-Fi पर ईमेल, बैंकिंग ऐप या ऑनलाइन शॉपिंग साइट न खोलें। पब्लिक Wi-Fi पूरी तरह सेफ नही होता है।

जागरूक खबरें

वीर बिग्गाजी का वार्षिक मेला 4 को

रावतसर @ जागरूक जनता। लोक देवता श्री वीर बिग्गाजी महाराज का भव्य वार्षिक विशाल मेला 4 अक्टूबर को होगा। श्री वीर बिग्गाजी मानव सेवा संस्थान बीकानेर के कोषाध्यक्ष मगाराम जाखड़ कुड़ला ने बताया कि हर वर्ष की भांति आयोजित होने वाला विशाल मेला 4 अक्टूबर को श्री बिग्गा गांव श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर में आयोजित होगा। 4 अक्टूबर को विख्यात कलाकारों द्वारा भव्य रात्रि जागरण का आयोजन होगा वही 5 अक्टूबर को मेला आयोजित होगा। मेले में भारतवर्ष से लाखों श्रद्धालु शरीक होंगे। मेले को लेकर सम्पूर्ण तैयारियां पूरी कर ली गई है।

आज से ग्रामीण सेवा शिविरों का होगा आगाज

जैसलमेर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान उनके गांव में ही करने के उद्देश्य से बुधवार 17 सितंबर 2025 से प्रदेशभर में ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जैसलमेर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में भी ये शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान होगा।

वर्षों से सूखे पड़े कुंए भरे, लेकिन फसल चौपट

अलवर @ जागरूक जनता। अलवर के जिस क्षेत्र में पिछले 10 वर्ष से कुंऐ सूखे हुये थे, कुओं में पानी 400 फुट की गहराई पर निकलता था, इस बार की बारिश से इन सभी कुओं में जबरदस्त पानी आ गया, लेकिन इससे किसानों की फसलें चौपट गयीं, जिससे वे राज्य सरकार से मुआवजे की आस लगाये हुये हैं। क्षेत्र में लगातार हुई तेज बारिश ने सौदानपुरा गांव के किसानों की उम्मीदों को गहरी चोट पहुंचायी है। भरपूर बारिश से भले ही अगले बरस की फसलों को फायदा होगा, लेकिन इस वर्ष तो खेतों में खड़ी प्याज की फसल जलभराव की वजह से बर्बाद हो गयी है।

बीटी कपास, बीटी बैंगन और बीटी धान (कमला किस्म) किसानों को करेगी मालामाल, देगी बेहतर स्वास्थ्य

बीटी तकनीक किसानों की आमदनी बढ़ाने का सशक्त साधन-डॉ. सिंह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के सरस्वती भवन में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ बलराज सिंह की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया, छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र को ऐसी तकनीक की आवश्यकता है जो कम लागत में अधिक उत्पादन दे और साथ ही खेत तथा पर्यावरण दोनों की रक्षा करे। उन्होंने कहा कि बीटी तकनीक किसानों की आमदनी बढ़ाने का सशक्त साधन है और यह कृषि के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। बीटी फसलें कीटों से प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं, जिससे बार-बार कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे न केवल मेहनत और लागत घटती है बल्कि किसानों की आमदनी में सीधा इजाफा होता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. देवेंद्र जैन, सहायक आचार्य, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर ने बताया कि बैसिलस थुरिंजिएन्सिस (बीटी) एक प्राकृतिक जीवाणु है, जिसकी खोज वर्ष 1901 में जापान में हुई थी। इस जीवाणु से उत्पन्न क्राय प्रोटीन अनेक हानिकारक कीटों को समाप्त कर देते हैं, जबकि फसलों, मनुष्यों और अन्य जीवों पर इनका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं

पड़ता। उन्होंने बताया कि बीटी फसलें जैसे बीटी कपास, बीटी बैंगन और बीटी धान (कमला किस्म) किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी हैं क्योंकि इनसे कीटनाशक दवाइयों का खर्च कम होता है, फसल की गुणवत्ता बढ़ती है और उत्पादन में वृद्धि होती है। भारत में बीटी कपास का क्षेत्रफल लगभग 1.2 करोड़ हेक्टेयर है। इससे किसानों को लगभग 88 प्रतिशत तक उत्पादन में लाभ और लगभग 12,375 प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त शुद्ध आय प्राप्त हुई है। डॉ. जैन ने बताया कि बीटी बैंगन उपभोक्ताओं के लिए भी अधिक सुरक्षित है क्योंकि इसमें रसायनों का छिड़काव न्यूनतम करना पड़ता है, जिससे स्वास्थ्य की दृष्टि से यह बेहतर विकल्प साबित होता है। इसी प्रकार बीटी धान की किस्म "कमला" कीटों से बचाव प्रदान करती है और किसानों को अधिक स्थिर उत्पादन उपलब्ध कराती है। उन्होंने यह भी बताया कि बीटी के वाणिज्यिक उत्पाद जैसे डिपेल, जैवेलिन और थुरिसाइड का भी खेती में सफल उपयोग हो रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हिना सहीवाला ने किया।

अंत में सह-अधिष्ठाता डॉ. एस मार्कर ने बीटी कपास और बीटी बैंगन पर अतिरिक्त जानकारी साझा की। इस अवसर पर सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. गजानंद जाट, रेडी प्रभारी डॉ. बी. एस. चंद्रावत, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. बी. एस. धाकड़ सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के दो सौ से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सीवरेज लाइन डालने के बाद पैचवर्क की पोल खुली, लोग बीमार, व्यापार प्रभावित

चंदेरिया की मुख्य सड़क धूल और गड्ढ़ों से बेहाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़ @ इलियास मोहम्मद शेख। उपनगरीय क्षेत्र चंदेरिया की मुख्य सड़क लंबे समय से बदहाली का शिकार है। टूटी-फूटी सड़क, जगह-जगह गड्ढ़े और उड़ती धूल यहाँ के निवासियों और व्यापारियों के लिए गंभीर समस्या बन चुकी है। सड़क पर वाहनों के गुजरते ही धूल का इतना गुबार उठता है कि क्षेत्रवासी और दुकानदार सांस तक नहीं ले पाते।

धूल से बीमार हो रहे लोग

स्थानीय लोगों ने बताया कि लगातार धूल निगलने से कई लोग सांस की बीमारियों से पीड़ित हो गए हैं। वहीं एक युवक को टीबी जैसी गंभीर बीमारी हो चुकी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वे रोज़ कई ग्राम धूल अपने शरीर और घर-दुकानों के अंदर ले जाने को मजबूर हैं।

व्यापारियों की दुश्वारी

व्यापारी वर्ग की हालत और भी खराब है। दुकानदारों ने बताया कि उन्हें दुकान का सामान प्लास्टिक की पन्नियों से ढककर रखना पड़ता है। एक टेलर ने कहा कि उसकी सिलाई की दुकान में कपड़े सीधे नहीं टांगे जा सकते, क्योंकि धूल और मिट्टी से कपड़े खराब हो जाते हैं।

सीवरेज लाइन डालने के बाद बिगड़े हालात

स्थानीय निवासियों ने बताया कि लगभग 6 माह पूर्व सड़क के बीचों-बीच शिवराज सीवरेज लाइन डालने के लिए गड्ढे खोदे गए थे। इसके बाद किए गए पैचवर्क की गुणवत्ता इतनी खराब थी कि पहली ही बारिश में वह उखड़ गया। नतीजा यह हुआ कि सड़क से उठते कंकड़-पत्थर अब तेज रफ्तार वाहनों से उछलकर दुकानों में घुस जाते हैं। कई बार लोग घायल हो चुके हैं, तो कई दुकानों के काँच तक टूट गए। लोगों का कहना है कि न केवल चंदेरिया बल्कि पूरे शहर और उपनगरीय क्षेत्र सीवरेज लाइन के घटिया कार्य की मार झेल रहे हैं।

नेता चुनाव बाद गायब

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि इस सड़क के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। पिछले पाँच वर्षों से इसका सही निर्माण नहीं हुआ है। सांसद, विधायक और पार्षद को बार-बार शिकायतें करने के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ। आमजन का कहना है कि नेता और जनप्रतिनिधि सिर्फ़ चुनाव के समय वोट मांगने आते हैं, लेकिन उसके बाद जनता की समस्याओं से किनारा कर लेते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और सरकार से तत्काल सड़क की मरम्मत और गुणवत्तापूर्ण काम की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

महान अभियंता मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर अभियंता दिवस मनाया गया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी), उदयपुर के प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय (सीटीएई) में आज भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में अभियंता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. सुनील जोशी, अधिष्ठाता, सीटीएई ने की, जिन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए अपना प्रथम उद्बोधन दिया। अपने प्रेरणादायक भाषण में प्रो. जोशी ने विद्यार्थियों को पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर चिकित्सा, रक्षा और फार्मा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचार, अनुसंधान और उत्पाद विकास के माध्यम से योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

छात्र कल्याण सहायक अधिष्ठाता डॉ. विक्रमादित्य दवे ने सर विश्वेश्वरैया के जीवनवृत्त और योगदान पर आधारित एक प्रस्तुति दी, जिसमें उनके अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र सेवा के मूल्यों को विद्यार्थियों के समक्ष प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। डॉ. दवे ने बताया कि इस कार्यक्रम में कुल 300 से अधिक छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. रवि शंकर मेघवाल, इंजी. विक्रम सीरवी, डॉ. खेमराज मीणा, इंजी. विवेक मीणा, मनोज असावरा, तथा राम स्वरूप जैसे संकाय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम की शोभा और भी बढ़ी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने सर विश्वेश्वरैया के पदचिन्हों पर चलते हुए नवाचार, उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपने समर्पण को दोहराया।

टेकयूटोपिया 2025 - यूईएम जयपुर का वार्षिक टेकफेस्ट आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर ने विश्वविद्यालय परिसर में अपने प्रमुख वार्षिक प्रौद्योगिकी महोत्सव, टेकयूटोपिया 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस दो दिवसीय महोत्सव में विभिन्न विभागों के 800 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नवाचार, तकनीकी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। महोत्सव का शिक्षा जगत, उद्योग जगत और पूर्व छात्रों जैसे प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति उद्घाटन किया गया।

दो दिनों में विविध तकनीकी और रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे डेथ रेस, रोबो सॉकर, प्रोजेक्ट प्रदर्शनी, हैकफिट, कैप्चर द फ्लैग, जेनरेटिव जीनियस 2.0, वेस्ट टू वर्थ, ब्रिज बिल्डर बोनान्ज़ा, एआई और हेल्थकेयर, फ्री फायर गेमिंग चैलेंज, संकाय सदस्यों द्वारा टेड टॉक, और कई अन्य, जिनमें इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, डिज़ाइन, उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्र शामिल थे।

समापन समारोह की अध्यक्षता यूईएम जयपुर के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) बिस्वजय चटर्जी ने की, जिन्होंने टेकयूटोपिया 2025 को सफल बनाने में छात्रों, संकाय सदस्यों और आयोजन टीम के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की। उन्होंने शिक्षा जगत, उद्योग और पूर्व छात्रों के बीच सेतु बनाने और नवाचार-संचालित विकास को बढ़ावा देने में ऐसे मंचों के महत्व पर ज़ोर दिया। रजिस्ट्रार, एसोसिएट डीन, विभागाध्यक्षों, विभिन्न क्लबों और सोसाइटियों के संकाय समन्वयकों और छात्र समन्वयकों, सहायक कर्मचारियों और यूईएम जयपुर के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल की समर्पित भागीदारी से यह आयोजन और भी सशक्त हुआ, जिससे उद्योग जगत की निर्बाध भागीदारी और विशेषज्ञ मार्गदर्शन सुनिश्चित हुआ। उत्सव की सफलता पर बोलते हुए, प्रो. सौगतो बनर्जी, सहायक प्रोफेसर (सिविल इंजीनियरिंग) और टेकयूटोपिया 2025 के समग्र आयोजक, ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और छात्रों का हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनकी सामूहिक भावना ने टेकयूटोपिया 2025 को एक शानदार उपलब्धि में बदल दिया।

मगने की ढाणी में पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

रावतसर @ जागरूक जनता। ग्राम पंचायत मगने की ढाणी में पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन श्री हनुवंत एम विधा मंदिर विद्यालय में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी गौतम गोदारा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर गोदारा ने कहा कि शिक्षा के साथ खेलकूद जरुरी है। खेल से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। इस अवसर पर विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। इस अवसर पर सरपंच लक्ष्मण ईशराम,पीईओ हेमराज खत्री, भामाशाह मगाराम जाखड़, भाजपा नेता खेताराम जाखड़, पूर्व सरपंच रेखाराम सियोल,पीईओ बाबूलाल, युवा उद्यमी रतनाराम कड़वासरा, नवीन बाल विधा मंदिर रावतसर निदेशक नवीन गोदारा, कानाराम जाखड़, सहित ग्रामीण, खिलाड़ी और विधार्थी मौजूद रहे। संस्थान निदेशक खीयाराम सियोल ने आभार जताया, कोर्डिनेटर जोगेंद्र सिंह झुंझुनूं और प्रधानाध्यापक हरखाराम जाखड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यर म का सफल मंच संचालन खेताराम जाणी नांद ने किया।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता की पहल

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपना सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चित्तौड़गढ़ में आयोजित किया। इस दौरानसंस्कार द स्कूल, विशाल अकादमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल और विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों को शामिल किया गया। 2300 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ, इस पहल का उद्देश्य संरचित प्रशिक्षण और इंटरएक्टिव लर्निंग के ज़रिये जिम्मेदार सड़क उपयोग की संस्कृति को और मजबूत करना था। कार्यक्रम में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि शुरुआती शिक्षा भविष्य के सवारों और नागरिकों को गढ़ने में अहम भूमिका निभाती है। छात्रों को सड़क सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया, जिनमें सही तरीके से हेलमेट पहनना, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना, पैदल यात्री अनुशासन और वास्तविक परिस्थितियों में जोखिम का आकलन शामिल था। एचएमएसआई ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि सुरक्षा को केवल एक नियम नहीं, बल्कि ऐसी जीवनशैली माना जाए जो व्यक्ति और समाज दोनों की रक्षा करती है।

शहर चलो अभियान में होगी एनएफएसए परिवारों की एलपीजी आईडी मैपिंग

पात्रों को हक देने के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार

वंचित राशनकार्ड धारकों को मिलेगा 450 रुपए में सिलेंडर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। जिले में 2 अक्टूबर तक संचालित होने वाले "शहर चलो अभियान (सेवा पखवाड़ा)" में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा एनएफएसए राशनकार्ड धारक परिवारों की एलपीजी आईडी मैपिंग करवाई जाएगी। राज्य सरकार की परिवर्धित बजट घोषणा 2024-25 अनुसार प्रदेश के समस्त खाद्य सुरक्षा लाभार्थी परिवारों को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेण्डर उपलब्ध करवाया जाना है। शहर चलो अभियान कैंप्स में एनएफएसए से जुड़े ऐसे परिवारों को सर्वेक्षण के द्वारा चिन्हित किया जाएगा जिनके पास एलपीजी कनेक्शन है परन्तु जिन्होंने अपनी एलपीजी आईडी एनएफएसए राशनकार्ड से मैप नहीं करवाई है। इस हेतु योजना का नगर निकाय एवं वार्ड स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। सर्वेक्षण में चिन्हित पात्र परिवारों एवं कैंप्स के दौरान प्राप्त आवेदनों की एलपीजी आईडी की मैपिंग का कार्य स्थानीय उचित मूल्य दुकानदार पर संस्थापित पोस मशीन में किया जाएगा। कैम्प हेतु नियुक्त विभागीय प्रभारी अधिकारी समस्त उचित मूल्य दुकानदारों से समन्वय कर यह कार्य संपन्न करेगें। उल्लेखनीय है कि 1 सितम्बर 2024 से मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत राज्य में एलपीजी कनेक्शनधारक परिवार जिनके द्वारा अपनी 16 अंको की एलपीजी आईडी राशनकार्ड से मैप करवा ली गई है, उनके जनआधार मैप खाते में सब्सिडी राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जी रही है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल पात्र परिवारों व सदस्यों की आधार सीडिंग एवं खाद्य सुरक्षा से जुड़े परिवारों व सदस्यों की ई-केवाईसी भी संपन्न करवाई जाएगी।

आईसीएमएम के सीईओ रोहितेश धवन ने हिन्दुस्तान जिंक का दौरा

‘हरित भविष्य का रास्ता भारत से होकर जाता है’

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। भारत की एकमात्र और दुनिया की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक कंपनी, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने इंटरनेशनल काउंसिल ऑन माइनिंग एंड मेटल्स के प्रेसिडेंट और सीईओ रोहितेश धवन की अपनी प्रमुख सिंदेसर खुर्द खदान, राजस्थान में मेजबानी की। यह दौरा हिन्दुस्तान ज़िंक के आईसीएमएम में पहली भारतीय कंपनी के रूप में शामिल होने के तुरंत बाद हुआ है, जो कंपनी और भारत के खनन क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर सस्टेनेबिलिटी और नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। श्री धवन के साथ हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरुण मिश्रा एवं कंपनी की वरिष्ठ नेतृत्व टीम भी इस दौरे में सम्मिलित रहे।

इस दौरान, धवन ने सिंदेसर खुर्द खदान का दौरा किया, जो दुनिया की चौथी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक खदान है। उन्होंने हिन्दुस्तान ज़िंक के विश्व स्तरीय परिचालन को करीब से देखा, जो तकनीकी नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और ईएसजी नेतृत्व पर आधारित है। चर्चा में वैश्विक सहयोग को मजबूत करने, बेहतरीन प्रथाओं को साझा करने और दक्षिण एशिया में जिम्मेदार खनन को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। यह दौरा आईसीएमएम में हिन्दुस्तान जिंक के चयन के बाद हुआ, जो 2021 के बाद परिषद का पहला नया सदस्य है। आईसीएमएम के प्रेसिडेंट और सीईओ रोहितेश धवन ने कहा कि, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि हिंदुस्तान जिंक ने राजस्थान में अपने काम में, आधुनिक टेक्नोलॉजी को ईएसजी, पर्यावरण, सामाजिक और कॉर्पोरेट प्रशासन नेतृत्व के साथ जोड़ा है। एक हरित भविष्य का रास्ता भारत से होकर जाता है, जहाँ के धातु और खनिज वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यहाँ,मैंने जमीनी स्तर पर सस्टेनेबिलिटी, पर्यावरण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति गहरी प्रतिबद्धता देखी है, जो मेरे लिए बहुत प्रेरणादायक है।

यह इस बात की पुष्टि करता है कि सिंदेसर खुर्द खदान और पूरे भारत में विश्व स्तरीय और जिम्मेदार खनन हो रहा है। यह एक शक्तिशाली उदाहरण है कि जब हम सिद्धांतों के साथ खनन करते हैं तो क्या संभव है। हिन्दुस्तान ज़िंक अपनी सस्टेनेबिलिटी 2.0 कार्यसूची को तेजी से आगे बढ़ा रहा है, जो विज्ञान-आधारित लक्ष्यों और 2050 या उससे पहले शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने की दृढ़ प्रतिबद्धता पर आधारित है। 2024 में, कंपनी को लगातार दूसरे वर्ष एसएण्डपी ग्लोबल के कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट द्वारा दुनिया की सबसे सस्टेनेबल मेटल्स और माइनिंग कंपनी के रूप में मान्यता मिली। यह एसबीटीआई-सत्यापित 1.5एसी-अनुकूल लक्ष्य रखने वाली पहली भारतीय धातुओं और खनन कंपनी भी बनी। वित्तीय वर्ष 25 में, हिन्दुस्तान ज़िंक ने अपने जीएचजी उत्सर्जन की तीव्रता को 2020 के आधार वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत कम किया, जबकि उत्पादन में लगातार वृद्धि जारी रखी। ये उपलब्धियां स्थायी विकास के प्रति कंपनी के संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, जिसमें पर्यावरण जिम्मेदारी, तकनीकी नवाचार और हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन को प्राथमिकता दी जाती है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

हम क्या है, और कब जानेंगे 'क्यों'?

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जीवन आशाओं का पर्याय है। हम किसी से आशा कर बैठते हैं, कोई हम से आशा कर बैठता है। इसी आशानुरूप रस्साकशी में हम जी रहे होते हैं। अधिकतर का जीवन दूसरों की आशाओं के अनुरूप ही होता है, किन्तु यदा-कदा मुख से यह भी निकल ही जाता है कि मैं तो .... यह बनना चाहता था, लेकिन उनके कहने पर इस फील्ड में आ गया। मेरा सपना तो वो बनने का था। बीते दिनों मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने एक कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री की ओर इशारा करते हुए कहा कि अपनी शिक्षा में यह व्यवस्था भी जोड़िये की आखिर बच्चों का इंट्रेस्ट किस ओर है। शिक्षा रोजगारोन्मुखी होनी चाहिए। कई बार जब हम थककर, उलझन में या भ्रम में होते हैं, तब हम खुद से यह सवाल नहीं पूछते कि हम वाकई क्या चाहते हैं। हम बस दौड़ते रहते हैं। कभी दौड़ नौकरी की होती है, कभी रिश्तों की, कभी पहचान की और कभी बस एक दिखावे की। लेकिन उस भागदौड़ में क्या आपने कभी रुककर खुद से पूछा है कि मैं सच में चाहता क्या हूँ? यह सवाल बहुत सीधा लगता है, मगर इसका उत्तर उतना ही उलझा हुआ होता है। क्योंकि ज्यादातर लोग वही चाहते हैं जो उन्हें समाज ने सिखाया है-एक अच्छी नौकरी, सम्मान, पैसा, और एक 'सफल' जिंदगी। पर बहुत कम लोग जानते हैं कि जो वे चाहते हैं, वह उनके अपने दिल की पुकार है या समाज की बनाई हुई कोई नकल। बचपन सरल होता है, चाहतें भी सरल थीं। खेलना और कुछ नया सीखना। पर जैसे-जैसे हम बड़े हुए, हमारे चाहने की दिशा दूसरों के प्रभाव में बदलती गई। हमें बताया गया कि डॉक्टर बनना अच्छा है, इंजीनियर बनना सम्मानजनक है और सरकारी नौकरी सुरक्षित है। लेकिन कभी आपने सोचा कि इन सबके पीछे आपका 'क्यों' क्या है? यानी क्यों आपको ऐसा करना चाहिए? क्या आप डॉक्टर इसलिए बनना चाहते हैं क्योंकि आपकी मां चाहती थीं? क्या आप अभिनेता इसलिए बनना चाहते हैं क्योंकि सबका ध्यान चाहिए? क्या आप शादी इसलिए करना चाहते हैं क्योंकि सब कर रहे हैं?

यदि आपने अपने हर लक्ष्य के पीछे के 'क्यों' को नहीं टटोला है, तो हो सकता है कि आप ऐसी ज़िंदगी बिता रहे हों जो आपकी अपनी नहीं है। यह 'क्यों' ही है जो जीवन को अर्थ देता है। अगर किसी पहाड़ पर चढ़ना है और पता नहीं कि क्यों चढ़ना है, तो थकान ही थकान मिलेगी। मगर अगर भीतर कोई आग है, कोई गहरा मकसद, तो वह चढ़ाई तपस्या बन जाती है। जो लोग अपने जीवन में स्पष्टता पाते हैं, वे वही लोग होते हैं जिन्होंने अपने "क्यों" को जान लिया है। जब तक हम यह नहीं समझते कि हमारी इच्छाएं कहां से आ रही हैं- हमारे मन की गहराई से या किसी बाहरी दबाव से तब तक हम भ्रम में जीते हैं। इसलिए अगली बार जब आप कोई सपना देखें, कोई लक्ष्य तय करें या किसी राह पर चलें, तो खुद से यह दो सवाल जरूर पूछें: क्या मैं वाकई यही चाहता हूं? और क्यों? ये दो सवाल बहुत कुछ साफ कर देंगे। आपके भीतर अगर कोई ऐसी पुकार है जो बार-बार लौटकर आती है, तो उसे अनसुना मत कीजिए। शायद वहीं से आपकी असली जिंदगी शुरू होती है। याद रखिए- चाहतें वही मूल्य रखती हैं जिनका आधार सचाई पर हो। वरना हम बस भीड़ में एक चेहरा बन जाते हैं। जीवन को दिशा देना है तो उसकी जड़ में उतरिए। जो आप चाहते हैं, वह ही नहीं क्यों चाहते हैं, यह भी जानिए। वहीं से रोशनी फूटेगी।

(ये विचार लेखक के अपने हैं)

राज्यपाल बागडे से लद्दाख के उपराज्यपाल की शिष्टाचार भेंट

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में मंगलवार को केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वच्छता अभियान तथा रक्तदान शिविर में होंगे शामिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर आज आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एक दशक से अधिक समय से देश के प्रधान सेवक के रूप में खुद को जनसेवा के लिए समर्पित करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणास्त्रोत्र है। प्रधानमंत्री के जन्म दिवस (17 सितंबर) के अवसर पर राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, ग्रामीण सेवा शिविर एवं शहरी सेवा शिविर जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम से होगी शुरूआत

कार्यक्रमों की शुरूआत में मुख्यमंत्री प्रातः 7 बजे जयपुर के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम में शामिल होकर सफाई अभियान में हिस्सा लेंगे। इसके पश्चात शर्मा प्रातः 9 बजे जवाहर कला केन्द्र पहुंचेंगे और प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

शहरी सेवा शिविरों में होंगे कार्य

मुख्यमंत्री इसके पश्चात प्रातः 10 बजे मालवीय नगर स्थित सामुदायिक केन्द्र से 'शहरी सेवा शिविर' का शुभारंभ करेंगे। ये शिविर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक राज्य के शहरी निकायों में आयोजित किए जा रहे हैं जहां विभिन्न कार्यों और योजनाओं के माध्यम से आमजन को लाभान्वित किया जाएगा।

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में होंगे शामिल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में इंदौर में आयोजित होने वाले स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में श्री शर्मा जयपुर से वर्चुअल रूप से शामिल होंगे। यह कार्यक्रम प्रतापनगर स्थित आरयूएचएस चिकित्सा परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यर म में थैलेसीमिया कुटुंब योजना, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यर म अंतर्गत मन दर्पण कार्यर म तथा जेके लोन अस्पताल में डेडिकेटेड पीडियाट्रिक सीटीवीएस इकाई का शुभारंभ भी किया जाएगा।

पाक विदेश मंत्री इशाक डार ने खोली पोल

'भारत नहीं मान रहा बात', अमेरिका जाकर गिड़गिड़ाया था पाकिस्तान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

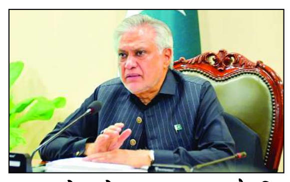

नई दिल्ली। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। डार ने स्वीकार किया है कि भारत ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और अपने बीच किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए कभी सहमत नहीं हुआ था। इस तरह उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि उन्होंने पहलगाम हमले के बाद उपजे तनाव और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को पाकिस्तान के साथ मध्यस्थता करने के लिए कहा था। डार ने आगे कहा कि जब इस्लामाबाद ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सामने ट्रंप के मध्यस्थता के दावे को उठाया, तो शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने स्पष्ट कर दिया कि भारत ने हमेशा यह कहा है कि पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दे "पूरी तरह से द्विपक्षीय" हैं और इसमें किसी तीसरे की कोई जरूरत नहीं है।

डार ने खोल दी ट्रंप की पोल

डार ने कहा, "हमें किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन भारत स्पष्ट रूप से कह रहा है कि यह एक द्विपक्षीय मामला है। हमें द्विपक्षीय बातचीत से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन बातचीत व्यापक होनी चाहिए - आतंकवाद, व्यापार, अर्थव्यवस्था, जम्मू-कश्मीर, सभी विषयों पर जिन पर हम पहले चर्चा कर चुके हैं।" डार ने आगे कहा कि अमेरिका ने मई में युद्धविराम का प्रस्ताव दिया था और कहा था कि भारत और पाक के बीच बातचीत किसी तटस्थ स्थान पर होगी।

टीम इंडिया की जर्सी पर अब चमकेगा अपोलो टायर्स

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की टीम इंडिया के लिए नए लीड स्पॉन्सर की तलाश मंगलवार को खत्म हो गई। अब टीम इंडिया की जर्सी पर मशहूर टायर कंपनी अपोलो टायर्स (Apollo Tyres) का लोगो नजर आएगा। लीड स्पॉन्सर बनने के लिए कंपनियों के बीच कड़ा मुकाबला था। लेकिन गुरुग्राम स्थित टायर कंपनी ने बाजी मार ली। अपोलो ने 579 करोड़ रुपये की शानदार बोली लगाकर कैनवा (Canva) और जेके सीमेंट्स (JK Cements) को पीछे छोड़ दिया। ज्ञात हो कि ड्रीम11 (Dream 11) ने सरकार के ऑनलाइन गेमिंग एक्ट के कारण करार छोड़ दिया था। इसके बाद बीसीसीआई ने 2 सितंबर को नए स्पॉन्सर के लिए बोली मंगाई थी। ड्रीम11 के हटने के बाद एशिया कप (दुबई और अबू धाबी) में टीम इंडिया बिना जर्सी स्पॉन्सर के खेल रही है।

इंडिगो मुंबई से कोपेनहेगन के लिए शुरू करेगा फ्लाइट सर्विस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर आ रही है। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने एक नए इंटरनेशनल रूट पर डायरेक्ट फ्लाइट सर्विस शुरू करने की घोषणा की है। इंडिगो ने बताया कि वे 8 अक्टूबर से मुंबई से डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के लिए डायरेक्ट फ्लाइट सर्विस शुरू करेगी, जिससे उत्तरी यूरोप में उसके इंटरनेशनल नेटवर्क का विस्तार होगा। एयरलाइन कंपनी ने मंगलवार को ये जानकारी दी। इसके अलावा, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कल ही देहरादून और बेंगलुरू के बीच डायरेक्ट फ्लाइट सर्विस की शुरुआत की है। इंडिगो ने बताया कि मुंबई से कोपेनहेगन के लिए हफ्ते में 3 फ्लाइट ऑपरेट की जाएंगी और इसके लिए नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान का इस्तेमाल किया जाएगा। एयरलाइन कंपनी ने कहा कि कोपेनहेगन, एयरलाइन कंपनी का 44वां इंटरनेशनल और कुल मिलाकर 138वां डेस्टिनेशन होगा। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा, ''भारत और उत्तरी यूरोप के बीच यात्रा की बढ़ती मांग को देखते हुए, हम मुंबई को कोपेनहेगन से जोड़ेंगे। ये विस्तार यूरोप में हमारी उपस्थिति को मजबूत करेगा और कोपेनहेगन को भारतीय यात्रियों के लिए नॉर्डिक क्षेत्र का प्रवेश द्वार बनाएगा।''

उधर, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने देहरादून से बेंगलुरू के बीच नई सेवाएं शुरू कर दी है।

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें
SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE
खोजें
मल्टीकैप फंड में निवेश क्यों करें?
मल्टीकैप फ़ंड लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे फ़ंड मैनेजर को बाज़ार की अलग-अलग स्थितियों में ग्रोथ की संभावना वाली कंपनियों की एक विशाल रेंज का दायरा मिल जाता है। ये फ़ंड्स आपके पोर्टफ़ोलियो को डायवर्सिफ़ाय, जोखिम और रिटर्न क्षमता को संतुलित करने में मदद करते हैं, जिसका उद्देश्य आपके संपत्ति निर्माण के लक्ष्यों को अनुकूलित बनाना है।
अधिक जानकारी के लिए | www.sbimf.com | अपने MFD/RIA से संपर्क करें
SBI म्युच्युअल फ़ंड द्वारा निवेशक शिक्षण और जागरूकता के लिए एक पहल।
निवेशक केवल पंजीकृत म्युच्युअल फंड्स के साथ ही व्यवहार करें, जिनके विवरण (https://www.sebi.gov.in) सेबी वेबसाइट पर 'Intermediaries/Market Infrastructure Institutions' अंतर्गत सत्यापित किए जा सकते हैं। पता, दूरभाष क्रमांक, बैंक विवरण आदि में बदलावों की प्रक्रिया के साथ, एक-समय केवायसी (नो योर कस्टमर या अपने ग्राहक को जानिए) पूर्ण करने की प्रक्रिया के लिए, कृपया म्युच्युअल फंड्स की वेबसाइट का संदर्भ लीजिए। यदि निवेशक पंजीकृत मध्यस्थों के जवाबों से असंतुष्ट हैं, तो वे अपनी शिकायतें https://scores.sebi.gov.in/ पर उन पंजीकृत मध्यस्थों के विरुद्ध दर्ज कर सकते हैं। स्कोअर्स (SCORES) आपको सेबी के पास अपनी शिकायतें ऑनलाईन माध्यम से दर्ज करने की और उसके बाद उसकी स्थिति देखने की सुविधा देती है।
हमें फ़ॉलो करें:
म्युच्युअल फंड निवेश बाजार के जोख़िमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ ध्यान से पढ़ें।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

किसानों को उत्तम खाद, बीज और पेस्टिसाइड उपलब्ध कराना ही हमारी प्राथमिकता-डॉ. किरोड़ी

अमानत खाद, पेस्टिसाइड और टेकिंग के खिलाफ राजस्थान की धरती पर एक जबर्दस्त अभियान डॉ. किरोडी लाल के नेतृत्व में चलाया गया। इसके लिए राजस्थान के कृषि मंत्री धन्यवाद के पात्र हैं -केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन रबी अभियान 2025 का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान-2025 के समापन समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल द्वारा अमानक खाद, पेस्टिसाइड और बीजों के खिलाफ चलाया गया अभियान काफी सफल रहा, जिससे प्रदेश के किसानों को काफी फायदा मिला। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में राजस्थान के कृषि मंत्री द्वारा कई उपयोगी सुझाव दिए गए हैं जिन पर केंद्र सरकार पूर्ण अमल करेंगी।

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में कृषि उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा रीसायकल वाटर का 85 प्रतिशत किसानों को सिंचाई हेतु दिए जाने का प्रावधान किया गया है, इस तरह का कानून सभी राज्यों में भी लागू किया जाए, जिससे रीसायकल वाटर का 85 प्रतिशत तक खेती के कार्यों में उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अपने आप में ऐतिहासिक है, जिसमें वन नेशन,वन एग्रीकल्चर, वन टीम पर चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में चलाया गया खरीफ कृषि विकसित संकल्प अभियान भी अपने आप में ऐतिहासिक था जिसमें पहली बार वैज्ञानिकों द्वारा लैब टू लैंड अभियान के तहत देश के ग्रामीण इलाकों में खेतों में जाकर कृषकों को उन्नत कृषि तकनीक, उर्वरक एवं खाद बीज के बारे में जानकारी दी गई। जिसके द्वारा कृषकों को काफी लाभ मिला और रबी फसल पूर्व भी ऐसी ही अभियान चलाया जाएगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि पेस्टसाइड, बीज और उर्वरकों की राजस्थान राज्य में बहुत बड़े पैमाने पर जांच की गई जिसमें विनिर्माता कंपनियों में खामियां पाई गई। इसी तरह से पंजाब और हरियाणा में भी जांच की गई जिसके तहत लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी सख्त कार्यवाही की गई। जिससे खाद बीजों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। उर्वरक आदानों में मिलावट कृषक और देश के साथ धोखा है। जो विनिर्माता अमानत बीज उर्वरक और पेस्टिसाइड दे रहे हैं इससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानून बनाया जाए, जिससे कृषकों की आई में वृद्धि होगी की और देश का किसान आर्थिक स्थिति मजबूत बन सकेगा। हमारा प्रमुख लक्ष्य किसानों को उत्तम बीज, खाद और पेस्टिसाइड उपलब्ध कराना है।

कृषि मंत्री ने कहा कि व्यापारियों द्वारा उर्वरकों पर की जा रही टेकिंग अधिक लाभ लेने के लिए की जा रही है इस टेकिंग को पूर्ण रूप से बंद करवाने पर जोर दिया। उन्होंने सम्मेलन में राज्यों की गैपवार स्टडी कर अनुसंधान का बजट दोगुना करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि राजस्थान बाजरा, जीरा, धनिया, अजवाइन, उत्पादन में अग्रणी राज्य है। लेब टू लैंड अभियान में वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की जानकारी दी जाए। राजस्थान में जिप्सम और रॉक फॉस्फेट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और पशुधन भी बहुतायत है, अतः इन संसाधनों द्वारा राजस्थान भारत का कार्बनिक हब बन सकता है।

सिरोही में कांस्टेबल भर्ती परीक्षाः व्यवस्थाओं की खुली पोल, सड़क पर बैठने को मजबूर हुए अभ्यर्थी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। जिला मुख्यालय स्थित आठ परीक्षा केंद्रों पर कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोर सिंह ने बताया की एग्जाम में कुल 2160 परीक्षार्थी पंजीकृत है। यह परीक्षा दो पारियों में संपन्न हुई। जिसमें राजस्थान के करौली, कोटा, बीकानेर, नागौर, जोधपुर, जयपुर, सीकर, डूंगरपुर, चितोड़गढ़,श्री गंगानगर सहित विभिन्न जिलों से आए परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। हालांकि, परीक्षा के आयोजन में जिला प्रशासन की संवेदनहीनता और लापरवाही के साथ अव्यवस्थाओ को देखा गया। परीक्षा देने आए कई अभ्यर्थियों को सड़क किनारे दरी बिछाकर बैठते और सोते हुए देखा गया। जिला प्रशासन द्वारा न तो उनके बैठने की कोई समुचित व्यवस्था की गई और न ही उन्हें प्राथमिक सुविधाएं पानी छाया, बगैरा मुहैया करवाई गई। दुर्गम क्षेत्रों से पहुंचे परीक्षार्थी खासे परेशान नजर आए। कई अभ्यर्थियों ने बताया कि उनके परीक्षा केंद्र 800 से 1000 किलोमीटर दूर आवंटित किए गए है। इससे उन्हें न केवल लंबी यात्रा करनी पड़ी, बल्कि परिवहन की सरकारी व्यवस्था भी न के बराबर थी। बसों की कमी और असमंजस की स्थिति ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी। लेकिन जिन हालातों में उन्होंने परीक्षा दी, वो किसी भी संवेदनशील शासन व्यवस्था पर सीधा सवाल उठाते हैं।

राजस्थान के सुदूर और दुर्गम जिलों से आए हजारों परीक्षार्थी सिर पर आसमान और नीचे फर्श की जगह सड़क पर दरी बिछाकर बैठे और सोते नजर आए। तस्वीरें और वीडियो यह बयां कर रहे हैं कि जिला प्रशासन ने आवास, विश्राम और मूलभूत सुविधाओं के लिए कोई ठोस इंतज़ाम नहीं किया। विशेष रूप से महिला अभ्यर्थियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। परीक्षा केंद्रों की दूरी, रुकने की उचित व्यवस्था का अभाव और सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार सामने आती रहीं। जिसकी वजह से उन्हें परिजनों के साथ एग्जाम देने सेंटर पहुंचना पड़ना। अभ्यर्थियों ने व्यवस्थाओ पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार जब इतनी बड़ी भर्ती परीक्षा आयोजित कर रही है, तो क्या यह उसकी जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह आवागमन, रहने और सुरक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करे? हालांकि, परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के लिए कड़ी व्यवस्थाएं की गई थीं, लेकिन सामान्य सुविधाओं का अभाव प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े करता है।

800 से 1000 किलोमीटर दूर तक सेंटर, लेकिन कोई परिवहन की समुचित व्यवस्था नहीं

कई परीक्षार्थियों ने बताया कि उन्हें परीक्षा केंद्र उनके घर से 800 से 1000 किलोमीटर दूर आवंटित किया गया। ना समय पर कोई सरकारी बस उपलब्ध थी, ना ही निजी साधनों की कोई सुविधा। राज्य सरकार द्वारा यात्रा के लिए कोई समुचित योजना नहीं बनाई गई, जिससे अभ्यर्थी घंटों भूखे-प्यासे सफर करते हुए परीक्षा केंद्र तक पहुंचे।

क्या सिर्फ परीक्षा कराना ही सरकार की जिम्मेदारी है?

आज का दिन सिरोही में केवल एक परीक्षा का आयोजन नहीं था, बल्कि यह एक प्रशासनिक असंवेदनशीलता की तस्वीर बनकर उभरा है। सवाल ये है कि क्या सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ परीक्षा आयोजित कराना है? या फिर यह सुनिश्चित करना भी है कि परीक्षार्थी सम्मानजनक, सुरक्षित और सुविधा-संपन्न वातावरण में परीक्षा दे सकें?

सरकार और सिस्टम से सवाल - कौन लेगा जिम्मेदारी?

- » जब लाखों युवा रोजगार की उम्मीद में परीक्षा देने निकलते हैं, तो क्या सिर्फ परीक्षा आयोजित कर देना ही सरकार की जिम्मेदारी है?
- » 800 से 1000 किलोमीटर दूर सेंटर देकर, बिना किसी यात्रा सुविधा के परीक्षार्थियों को बेसहारा छोड़ देना- क्या यही "युवा हितैषी नीति" है?
- » सरकारी परिवहन विभाग कहां था, जब हज़ारों परीक्षार्थियों को एक जिले से दूसरे जिले में जाना था? क्या कोई रूट प्लान, विशेष बस सेवा या हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई थी?
- » क्या प्रशासन को पहले से यह अनुमान नहीं था कि इतनी दूर से आने वाले परीक्षार्थियों को ठहरने और बैठने के लिए जगह की जरूरत पड़ेगी? फिर क्यों नहीं की गई कोई व्यवस्था?
- » महिला परीक्षार्थियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए क्या कोई विशेष कदम उठाए गए थे? अगर हां, तो वो कहाँ थे जब महिलाएं खुले में बैठी मिलीं?
- » जो परीक्षार्थी मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से थक कर परीक्षा देने पहुंचे – क्या उन्हें समान अवसर मिल पाया?
- » हर साल ऐसी ही तस्वीरें सामने आती हैं – तो क्यों नहीं सीखा गया पिछले अनुभवों से? क्यों दोहराई जा रही हैं वही गलतियाँ?
- » क्या सिर्फ सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद ही सरकारें जागेंगी, या पहले से तैयारी की संस्कृति विकसित होगी?
- » इन सवालों के जवाब किसके पास हैं – प्रशासन के, सरकार के, या फिर खुद परीक्षार्थियों को ही इन हालातों का दोषी मान लिया जाएगा?
- » अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और राज्य सरकार इस मुद्दे पर क्या संज्ञान लेती है, और आने वाले समय में ऐसी परीक्षाओं के लिए कितनी जनहितकारी और संवेदनशील नीति अपनाई जाती है।

खातीपुरा रेलवे स्टेशन और जगतपुरा रेलवे फाटक के पास कार्रवाई कर 300 किलो खराब लड्डू नष्ट किए, नमूने लिए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में चलाये जा रहे ''शुद्ध आहार– मिलावट पर वार'' अभियान के अंतर्गत मंगलवार को आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशन में राजधानी जयपुर में बड़ी कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खातीपुरा रेलवे स्टेशन– इंद्रा गांधी नगर के पास गलियों में मकानों में अस्वास्थ्यकर व अस्वच्छ परिस्थितियों में विश्वकर्मा जयंती हेतु तैयार किए जा रहे मोतीचूर के 250 किलो लड्डू नष्ट करवाए। ये अखाद्य रंग, मैदा,रिफाइंड सोयाबीन तेल, बेसन आदि से बनाए जा रहे थे। यहां निर्मित लड्डुओं को 100 रुपए प्रति किलो की दर से आम तौर पर मालवीय नगर, जगतपुरा ,आगरा रोड की मिठाइयों की दुकानों पर बेचा जाता है। इसी तरह जगतपुरा रेलवे फाटक के पास अस्वास्थ्यकर व अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार किए जा रहे मोतीचूर के 50 किलो लड्डू भी नष्ट करवाए गए हैं। इन दोनों स्थानों से खाद्य सामग्री के नमूने भी लिए गए हैं, जिन्हें लैब भिजवाया गया है।

सांसद बेनीवाल को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, नहीं खाली करना पड़ेगा फ्लैट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नागौर से सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता हनुमान बेनीवाल को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए जयपुर के जालूपुरा स्थित सरकारी आवास (B7) और ज्योतिनगर के विधायक फ्लैट को खाली करने के नोटिस पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के जज समीर जैन ने यह महत्वपूर्ण स्टे ऑर्डर जारी किया। इसके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव और संपदा अधिकारी से जवाब तलब किया है कि राजस्थान में कितने विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री, पूर्व मंत्री व अन्य नेता सरकारी आवासों का लाभ ले रहे हैं।

क्या है मामला : हनुमान बेनीवाल पर जयपुर के ज्योतिनगर में विधायक फ्लैट और जालूपुरा में विधायक बंगले पर कब्जा रखने का आरोप है। राज्य सरकार ने बेनीवाल को 1 जुलाई 2025 को पहला नोटिस जारी कर इन आवासों को खाली करने का निर्देश दिया था। इसके बाद चार और नोटिस भेजे गए, लेकिन बेनीवाल ने आवास खाली नहीं किया।

पूर्व मंत्री महेश जोशी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, ED को नोटिस

जयपुर @ जागरूक जनता। पूर्व मंत्री महेश जोशी ने जल जीवन मिशन मामले में जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में दस्तक दी। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायाधीश एजी मसीह की खंडपीठ ने जमानत के लिए महेश जोशी की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका पर यह आदेश दिया। इसमें हाईकोर्ट के जमानत याचिका खारिज करने के 26 अगस्त के आदेश को चुनौती दी गई। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता को फंसाया गया है। एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम ही नहीं था। ईडी ने नोटिस देने के एक साल बाद बिना परिस्थिति बदले उसे अप्रेल माह में गिरफ्तार कर लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा की बजट घोषणाओं पर ली उच्चस्तरीय बैठक

विद्यालयों का गुणवत्तापूर्ण निर्माण और मरम्मत कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता, जवाबदेही हो तय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी हमारे देश के सुनहरे भविष्य हैं, जिनकी सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने गुणवत्ता के उच्चतम मापदण्डों का पालन करते हुए विद्यालयों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, इन कार्यों में जवाबदेहिता के लिए स्कूली शिक्षा विभाग में कार्यकारी एजेंसी की नियुक्ति करने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा विभाग की बजट घोषणाओं की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गांव-ढाणी से लेकर शहरी क्षेत्र में स्थित राजकीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शैक्षणिक सुविधाओं तथा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और विस्तार पर गहन चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में निर्मित शैक्षणिक संस्थानों के जीर्ण-क्षीर्ण और जर्जर होने पर उनके निर्माण कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट मंगवाकर जांच करवायी जाए। साथ ही, निर्मित होने वाले भवनों एवं मरम्मत कार्यों के खर्चों की सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खराब कार्यों के संबंध में जवाबदेहिता को निर्माण कार्यों की प्रमुख शर्तों में शामिल किया जाए।

विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप आधाभूत संरचनाओं का हो विस्तार

उन्होंने शैक्षणिक भवनों के मरम्मत संबंधी कार्यों के लिए डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत अनुमत 20 प्रतिशत राशि का प्राथमिकता से उपयोग करने के विशेष दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप कक्षा निर्माण एवं अन्य सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित करें। साथ ही, विशेष योग्यजन विद्यार्थियों की पर्याप्त संख्या होने पर व्हीलचेयर की सुविधा भी प्रदान की जाए।

राजकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों पर लगाएं सौर ऊर्जा संयंत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। इन संयत्रों के संचालन से शैक्षणिक संस्थानों की ऊर्जा जरूरत पूरी हो सकेगी और आधारभूत ढांचा भी सुदृढ़ हो सकेगा। उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में उपलब्ध कराए जा रहे डाईनिंग हॉल को मल्टीपरपज विकसित करने के निर्देश भी दिए।

शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण में सामाजिक सरोकारों को करें प्रोत्साहित

शर्मा ने कहा कि राजकीय विद्यालयों के भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में सामाजिक सरोकारों को प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने भामाशाह और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ समन्वय स्थापित कर इन कार्यों के लिए योजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पटियाला की नेताजी सुभाष नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ स्पोर्टस की तर्ज पर खेड़ली-गुर्जर, भरतपुर में विकसित होने वाले स्पॉर्ट्स स्कूल पर विस्तृत चर्चा करते हुए इसकी कार्ययोजना के संबंध में निर्देश प्रदान किए।

कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश करें जारी

मुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के संचालन के संबंध में प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम के संचालन में आवश्यक मास्टरट्रेनर की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को सतत रूप से प्रशिक्षण मिल सके। इस प्रोग्राम के संबंध में उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने चयनित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम और आईसीटी लैब की स्थापना की समीक्षा करते हुए उपकरणों का रखरखाव सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

फॉरेन लैंग्वेज कम्युनिकेशन स्किल स्कीम के अंतर्गत प्रशिक्षण केन्द्रों पर आयोजित हो परीक्षा

श्री शर्मा ने फॉरेन लैंग्वेज कम्युनिकेशन स्किल स्कीम के अंतर्गत विदेशी भाषाओं में शुरू होने वाले सर्टिफिकेशन कोर्स के प्रबंधन की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने आकांक्षी प्रशिक्षार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ते हुए इन कोर्सेज को रोजगारोन्मुखी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि इन कॉर्सेज के संबंध में मैनेजमेंट द्वारा परीक्षा का आयोजन भी प्रशिक्षण केन्द्रों पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि सफल प्रशिक्षार्थी को विदेश में रोजगार सुनिश्चित हो सके। इस दौरान मुख्यमंत्री को उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत दुर्लभ प्रजातियों के रिकॉर्ड पौधे लगाने पर वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड ऑफ लंदन का सर्टिफिकेट प्रस्तुत किया।

सुरताल कला महोत्सव का दिया कुमारी ने किया शुभारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जवाहर कला केंद्र और अंजना वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'सुरताल कला महोत्सव' का आज भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दीप प्रज्वलन कर किया और जेकेके में लगाई गई कला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि "ऐसे सांस्कृतिक मंच न केवल कलाकारों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि समाज को कला एवं संस्कृति के प्रति अधिक संवेदनशील और जागरूक भी बनाते हैं। हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की अत्यंत आवश्यकता है।"

10 दिवसीय कला-संस्कृति उत्सव

'सुरताल कला महोत्सव' का आयोजन 16 सितम्बर से 25 सितम्बर तक किया जा रहा है। यह 10 दिवसीय उत्सव कला और संस्कृति का अद्वितीय संगम है, जिसमें कठपुतली एवं थिएटर, नृत्य और संगीत, चित्रकला, कल संवाद एवं संगोष्ठियों जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित होंगी।

कला साधकों का सम्मान

महोत्सव के अंतर्गत राजस्थान की प्रतिष्ठित कला हस्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। इनमें पद्मश्री तिलक गीती, प्रसिद्ध कलाकार युसूफ़ खान सहित अन्य कला साधक शामिल हैं।

युवाओं की भागीदारी पर फोकस

महोत्सव की विशेष कार्यशालाएँ सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी आयोजित की जाएँगी, ताकि अधिक से अधिक युवा विद्यार्थी कला और संस्कृति से जुड़ सकें। अंजना वेलफेयर सोसाइटी, जिसकी फाउंडर मेंबर माया कुलश्रेष्ठ हैं, पिछले 13 वर्षों से भारतीय कला-संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

हाईकोर्ट ने 5 साल पुराने केस को किया बंद?

विधायक खरीद-फरोख्त का मामला झूठा!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की सियासत में पांच साल पहले हुए एक हाई-प्रोफाइल राजनीतिक घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है। तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार द्वारा सचिन पायलट और अन्य पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के जरिए सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) में दर्ज प्रकरण को राजस्थान हाईकोर्ट ने बंद करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने एसीबी की अंतिम रिपोर्ट (FR) को स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले में कोई अपराध सिद्ध नहीं हुआ। इस फैसले ने न केवल आरोपियों को क्लीन चिट दी है, बल्कि राजस्थान की राजनीति में नए समीकरणों को भी मजबूती दी है। बताते चलें कि यह पूरा मामला जुलाई 2020 का है, जब राजस्थान की कांग्रेस सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच तनातनी चरम पर पहुंच गई थी। सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों ने गहलोत के खिलाफ बगावत कर दी थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास लाए रंग

3200 मेगावाट की कोल आधारित विद्युत उत्पादन परियोजना राजस्थान में ही होगी स्थापित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए दूरदर्शी निर्णयों और विभिन्न कदमों के परिणामस्वरूप प्रदेश की ऊर्जा उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री का एक और प्रयास रंग लाया है। केन्द्र सरकार की एम्पावर्ड कमेटी ने राज्य में 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना को स्थापित करने की मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से केन्द्रीय कोयला मंत्रालय से इस परियोजना के लिए कोल लिंकेज का आवंटन का आग्रह किया था। उन्होंने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री मनोहरलाल के समक्ष इस परियोजना के राज्य में स्थापित होने से अपेक्षित प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष आर्थिक, सामाजिक व तकनीकी लाभों पर पुरजोर तरीके से पक्ष रखा था। मुख्यमंत्री के इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार की अधिकार प्राप्त समिति (एम्पावर्ड कमेटी) ने परियोजना को राजस्थान में ही स्थापित करने का निर्णय किया है।

40 हजार करोड़ का होगा निवेश, रोजगार के अवसर होंगे सृजित

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार भविष्य की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए बेस मांग पूर्ति हेतु कोयला आधारित परियोजनाओं के विकास पर भी विशेष ध्यान दे रही है। 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना की स्थापना से लगभग 40 हजार करोड़ का निवेश होगा, जिससे राज्य में राजस्व वृद्धि के साथ ही रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा।

सोयाबीन की जे.एस 20-98 किस्म पर प्रक्षेत्र दिवस आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

झालावाड़। केन्द्र के प्रसार शिक्षा वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रभारी डॉ. मौहम्मद युनुस ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन योजनान्तर्गत सोयाबीन फसल की किस्म 'जे.एस. 20-98' के जिले में 125 प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ द्वारा कटफला गांव में समन्वित फसल प्रबंधन अन्तर्गत सोयाबीन फसल की किस्म 'जे.एस. 20-98' पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 78 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

उन्होंने यह भी बताया कि उपरोक्त योजनान्तर्गत जिले के 07 गाँवों (कटफला, कटफली, रामपुरिया, जतावा, सरेड़ी, सादला एवं पदमिया) में 125 किसानों को प्रदर्शन के लिए सोयाबीन किस्म 'जे.एस. 20-98' का बीज के साथ ट्राइकोडर्मा, खरपतवारनाशी एवं पौध संरक्षण हेतु कीटनाशक एवं कवकनाशी इत्यादि आदान के रूप में प्रदान किए गए थे। प्रदर्शित किस्म सूखा प्रतिरोधी, सफेद रंग के फूल, फसल अवधि 91-98 दिन, पौधे की ऊँचाई मध्यम एवं येलो मौजेक, चारकोल रोट, कॉलर रोट के प्रति प्रतिरोधक क्षमता रखती है। प्रतिरोधक क्षमता की वजह से इस किस्म की उत्पादन लागत कम हुई और किसानों को शुद्ध आमदनी अधिक प्राप्त होने की उम्मीद है। इस प्रक्षेत्र दिवस के दौरान क्रॉप कटिंग का आयोजन भी किया गया।

केन्द्र के वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता दिनेश चौधरी ने सोयाबीन फसल उत्पादन में हो रही कमी के कारणों के बारे में उल्लेख करते हुए उनसे बचने के उपाय बताए साथ ही आगामी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। प्रक्षेत्र दिवस में उपस्थित किसानों के साथ कुछ प्रगतिशील कृषक एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे जिन्होंने किस्म की सराहना करते हुए केन्द्र के साथ क्रॉप कटिंग का आयोजन करवाया जिसमें 'जे.एस. 20-98' किस्म में प्रति पौधा फलियों की संख्या लगभग 85-98 पाई गई और यह निष्कर्ष निकाला गया कि फसल की औसत उपज 18-20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर अनुमानित होगी। साथ ही अन्य उपस्थित प्रतिभागी किसानों ने प्रदर्शन खेत का अवलोकन कर वास्तविक स्थिति को जानकर इस किस्म की प्रसंशा की साथ ही कहा कि सोयाबीन की 'जेएस-20-98' किस्म को भविष्य में अधिक से अधिक अपनाकर उत्पादन एवं मुनाफा बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान केन्द्र के रावे विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

पशुपालन विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य है जहां इतनी अधिक संख्या में हुआ पशुओं का बीमा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिव पशुपालन, गोपालन और मत्स्य डॉ समित शर्मा ने राज्य सरकार की योजनाओं का पशुपालकों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। डॉ शर्मा ने मंगलवार को शासन सचिवालय में पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, एएमएस और के पी आई आधारित ग्रेडिंग प्रणाली सहित अन्य विषयों की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में शासन सचिव ने कहा कि 17 सितंबर से आयोजित होने वाले ग्रामीण सेवा शिविर में पशुपालन विभाग के लोग अनुशासित, कर्मठ और तत्पर होकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं और भीड़ में अपनी अलग पहचान में दिखें। इन शिविरों के दौरान पशुपालन विभाग द्वारा पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाएगा जिसमें रोगी पशुओं के उपचार और टीकाकरण आदि गतिविधियों के लिए सभी से सक्रिय होकर काम करने के निर्देश डॉ शर्मा ने दिए। शासन सचिव ने निर्देश दिए कि शिविरों के दौरान टीकाकरण अभियान, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, मोबाइल वेटरिनरी यूनिट और कॉल सेंटर तथा चैटबॉट , सेक्स सॉर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान आदि योजनाओं का अधिकाधिक प्रचार प्रसार किया जाए।

ग्रामीण सेवा शिविरों में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के बीमा सर्टिफिकेट भी वितरित किए जाएंगे जिसके लिए शासन सचिव ने अधिकारियों को एसआइपीएफ से समन्वय कर योजना बनाने के निर्देश दिए।

डॉ शर्मा ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य है जहां इतनी अधिक संख्या में पशुओं का बीमा हुआ है। इसके लिए उन्होंने विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अब बचे हुए बीमा को काम 30 सितंबर तक किसी भी हालत में पूरा करें। 1 अक्टूबर से वर्ष 2025-26 का बीमा कार्य शुरू किया जाएगा। डॉ शर्मा ने बताया कि पिछले साल के अनुभवों से सबक लेते हुए इस वर्ष बीमा का कार्य एक ही चरण में किया जाएगा जिससे समय और मैन पावर की तो बचत होगी ही साथ ही पशुपालकों को बीमा का लाभ भी समय से मिल सकेगा।

सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक के उपयोग की समीक्षा करते हुए डॉ समित शर्मा ने कहा कि यह पशुपालन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है जो पशुपालकों को चार गुना फायदा देगी। उन्होंने अधिकारियों से इस तकनीक के उपयोग की अब तक की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि अब तक प्रदेश में दो लाख स्ट्रॉ की आपूर्ति के विरूद्ध मात्र 36 हजार 317 पशुओं का ही कृत्रिम गर्भाधान किया गया है इस पर असंतोष व्यक्त करते हुए शासन सचिव ने इसके प्रति उदासीनता के कारण का पता लगाते हुए इसकी सघन मॉनिटरिंग करने के सख्त निर्देश दिए और इसकी संख्या बढ़ाने को कहा। उन्होंने कृत्रिम गर्भाधान का इन्द्राज पशुधन एप पर किए जाने के भी निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में सेक्स सॉर्टेड सीमन से ही एआई करनी है इसके लिए पशुधन निरीक्षक को प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने आरएलडीबी को इस प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के लिए निर्देश प्रदान किए।

लंपी रोग प्रतिरोधक सहित अन्य संक्रामक रोगों से बचाव हेतु किए जा रहे टीकाकरण की समीक्षा करते हुए डॉ शर्मा ने टीकाकरण की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि निर्धारित समयावधि में शत प्रतिशत टीकाकरण पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां भी लंपी के लक्षणों की शिकायत मिलती है वहां पशुओं को आइसालेट करें। एफएमडी टीकाकरण के लिए डॉ शर्मा ने अधिकारियों को साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए शत प्रतिशत टीकाकरण कर उनका इन्द्राज पशुधन एप पर करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु चिकित्सा संस्थाओं में उनकी मांग के अनुरूप दवाओं की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए जिससे किसी भी परिस्थिति में दवाइयों की कमी से कार्य बाधित न हो। उन्होंने चिकित्सालयों में उपलब्ध औषधियों और उपकरणों के नियमित सदुपयोग पर बल दिया और कहा कि जिन संस्थाओं में औषधियों का समय पर समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है उन औषधियों को आवश्यकतानुसार अन्य संस्थाओं में वितरित किया जाए। डॉ शर्मा ने नवीन पशु चिकित्सा संस्थाओं हेतु पट्टों की उपलब्धता की प्रगति पर भी संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिला कलक्टर्स से मिलकर इस संबंध में काम को और गति दें।

भारत-मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध भविष्य में और अधिक मज़बूत होंगे- मुर्मु

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति, 'महासागर विजन' और ग्लोबल साउथ के लिए हमारी प्रतिबद्धता में मॉरीशस का विशेष स्थान है और दोनों देशों के बीच साझेदारी और हर क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। भरत यात्रा पर आये मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने अपनी आठ दिन की यात्रा के अंतिम दिन मंगलवार को यहां राष्टपति भवन में श्रीमती मुर्मु से भेंट की। डा. रामगुलाम नौ सितम्बर को भारत यात्रा पर आये थे। राष्टपति से मुलाकात के साथ ही उनकी यात्रा संपन्न हो गयी। इससे पहले दिन में वह उप राष्टपति सी पी राधाकृष्णन से भी मिले। सुबह वह राष्टपिता महात्मा गांधी की समाधी राजघाट और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपयी की समाधी सदैव अटल भी गये। इस यात्रा के दौरान वह मुंबई, वाराणसी, अयोध्या और तिरुपति भी गये। मुर्मु ने राष्टपति भवन में प्रधानमंत्री रामगुलाम और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति, 'महासागर विजन' और वैश्विक दक्षिण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में मॉरीशस का विशेष स्थान है। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और मॉरीशस के बीच साझेदारी और सहयोग हर क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह हाल ही में संबंधों के प्रगाढ रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुँचने में परिलक्षित होती है।

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस स्थापना दिवस समारोह संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में महिला कांग्रेस का स्थापना दिवस राष्ट्रीय अध्यक्षा अल्का लांबा के नेतृत्व में बहुत ही ऊर्जावान, उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। जैसा कि हम सबको मालूम है महिला कांग्रेस की स्थापना परम श्रद्धेय भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी ने 1984 में की थी जिसके अंतर्गत महिलाओं को राजनीतिक,सामाजिक और आर्थिक तौर पर मजबूत बनाना ही इस संगठन का एक मात्र उद्देश्य था। हमारे लिए ये खुशी गौरव की बात है, कि महिला कांग्रेस पिछले कई दशकों से इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अथक प्रयास करते हुए निरंतर अग्रसर है। राष्ट्रीय अध्यक्षा अल्का लांबा ने इस सुअवसर पर सभी महिला कांग्रेस को बधाई दीऔर महिलाओं को प्रेरित करते हुए इस कारंवा को आगे बढ़ाने एवं संगठन की मजबूती के लिए जोर देते हुए कहा महिलाओ को अपनी जिम्मेदारी को प्राथमिक रूप से समझना होगा। इस शुभ मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्षा ने अक्षय छुगानी (सीरियल उद्यमी) द्वारा लिखित महिला कांग्रेस को चरितार्थ करता एक बहुत ही सुंदर प्रेरक गीत का भी लोकार्पण किया।